5 साल बेमिसाल
सामाजिक गतिविधियों का लेखा जोखा
सबसे पहले सबसे तेज

मासिक कुमावत इंडिया

कुमावत प्रगति ट्रस्ट की सामाजिक पत्रिका

Email : kumawatindiapatrika@gmail.com
Website : www.kumawatindiapatrika.in

वर्ष-6 | अंक-3 अक्टूबर-2022 पृष्ठ-32 मूल्य : ₹ 20.00

दीपोत्सव पर्व की हार्दिक शुभकामनाएँ

समाजसेवी, भामाशाह टीम चेतन धुंधारिया के संस्थापक
व जन जन के लाडले

श्री चेतन कुमावत
(धुंधारिया)

(जिलाध्यक्ष, भाजपा ओबीसी मोर्चा, जयपुर शहर)

1 नवम्बर को **जन्मदिन** की

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएँ

जनसरोकारी कार्यों के लिए निरन्तर प्रयासरत.....

- कोविड-19 वैश्विक महामारी में पशु-पक्षी व बेजुबान जानवरों का भरण-पोषण
- मास्क, सेनटाईजर व दवाईयों का वितरण
- बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने हेतु निरन्तर प्रयासरत
- जनसरोकारी कार्यो व सरकारी योजनाओं के प्रचार प्रसार के लिए गाँवों के चयन
- जल संरक्षण हेतु जन जागरण अभियान, पर्यावरण संरक्षण हेतु सघन वृक्षारोपण
- सरकारी स्कूलों के बच्चों को स्टेशनरी, ड्रेस व अन्य सामग्री वितरण
- योग शिविर व प्रतियोगिताओं का आयोजन
- स्वदेशी अपनाने हेतु जन जागृति अभियान, टीबी मरीजों को गोद लेने की अनूठी पहल
- महामहिम राज्यपाल श्री कलराज मिश्र द्वारा निक्षय मित्र से सम्मानित

हम ईश्वर से आपके उत्तम स्वास्थ्य व दीर्घायु की कामना करते हैं। आशा करते हैं आप सदैव समाजोत्थान व जन सरोकारी कार्यो के लिए निरन्तर तत्पर रहेंगे।

शुभेच्छु :

TEAM CHETAN DHUNDHARIYA
नई सोच-सबका साथ-सबका विकास

टीम चेतन धुंधारिया

(राज्य स्तरीय "निक्षय मित्र" से सम्मानित संस्था)

कुमावत प्रगति ट्रस्ट

पता : एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018

मुख्य संरक्षक	:	सुरेन्द्र कुमार वर्मा (नागा)	मो. 9414994006
अध्यक्ष	:	रमेश कुमावत (गेदर)	मो. 9414554322
उपाध्यक्ष	:	रामप्रकाश कुमावत एडवोकेट	मो. 9887440666
सचिव	:	श्रीमती भारती तोंदवाल	मो. 9414810584
कोषाध्यक्ष	:	लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल	मो. 9549656438
सदस्य ट्रस्टी	:	सी.एम. कुमावत (बड़ीवाल)	मो. 9829056063
		हेमचन्द खड़गटा	मो. 9351682036
		रामप्रकाश कुमावत (मारवाल)	मो. 9414074376
		जयकिशन सोकिल	मो. 9829125428
		चेतन बालोदिया	मो. 9414052736
सलाहकार	:	गिरधारी लाल सिंघनवाल	मो. 9414263429

सम्पादक मण्डल : रामप्रकाश कुमावत (मारवाल) सम्पादक - 9414074376, जयसिंह गुड़ीवाल सह-सम्पादक 9461343432, गौरव अजमेरा 9829488824, प्रमोद कुण्डलवाल 9414362169, मनीष कुमावत 9660702083 **पदेन सदस्य :** अध्यक्ष, सचिव एवं प्रकाशक।

व्यवस्थापक मण्डल : महेश चन्द जलान्धरा 9828118789, लालचन्द धुंधारिया 9413335998, सुरेन्द्र मारोठिया 9314820385, राजेश धुंधारिया 9314506330, राजेश कुमावत (मरोडिया) 9829097496, श्रीमती राजबाला बिर्थला 7976475370, प्रभुदयाल तुनगरिया किशनगढ़ 9680931428, अशोक कुमावत - 9352070394, श्रीमती शशि कला बालोदिया तथा मुकेश कारगवाल 9828606056 **उप-कोषाध्यक्ष :** खेमचंद खड़गटा 9829140629

पत्रिका सहयोगी :

छत्तीसगढ़ : रमेश कुमार तुनवाल **मो. 9425234397 दिल्ली :** राधेश्याम घासोलिया **मो. 9818711580 सूरत :** शुभकरण किरोड़ीवाल **मो. 9898097444 वापी :** कृष्णगोपाल **मो. 9824892299 मुम्बई :** विजय किरोड़ीवाल, **मो. 9867177188 जींद (हरियाणा) :** बलवीर सिंह वर्मा **मो. 9355322301 कोटा :** चन्द्र प्रकाश कांकर **मो. 9214983402 सीकर :** रामगोपाल भोड़ीवाल **मो. 9610784657 उदयपुर :** घनश्याम पटवा **मो. 9460913044,** दयाशंकर रावड़िया **मो. 9414391034 ब्यावर :** नरेन्द्र आर्य **मो. 8107944493 किशनगढ़ :** नन्दकिशोर पारमवाल **मो. 9667090499 बगरू :** चेनसुख बड़ीवाल **मो. 9929012957 सांगानेर :** सोहनलाल अजमेरा **मो. 9636860812 इंदौर :** नेमीचंद कारवाल **मो. 9993998645** **प्रोसेसिंग व मुद्रक :** राज ब्लॉक्स, चौड़ा रास्ता, जयपुर

सदस्यता शुल्क रु. : विशिष्ठ संरक्षक- 5000, संरक्षक-3000, 10 वर्षीय-1300 एवं 5 वर्षीय-600

विज्ञापन दरें : अंतिम कवर पृष्ठ-3500, कवर पृष्ठ अन्दर, 3000, अन्दर 1 पृष्ठ-2500, 1/2 पृष्ठ-1300, 1/4 पृष्ठ-700

नोट 1 : संरक्षक सदस्य को आजीवन (25 वर्ष) तक पत्रिका प्रेषित व 1 बार मय फोटो परिचय प्रकाशन, विशिष्ठ संरक्षक का आजीवन पत्रिका व प्रत्येक अंक में 10 वर्ष तक नाम का प्रकाशन।

नोट 2. 12 विज्ञापन निरन्तर देने पर 2 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किये जायेंगे। 6 विज्ञापन निरन्तर देने पर 1 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किया जायेगा।

बैंक खाता : कुमावत प्रगति ट्रस्ट, संख्या 13850110020562 यूको बैंक, गांधी सर्किल, जयपुर, IFS Code : UCBA0001385

यदि राशि सीधे बैंक खाते में स्लिप/ऑनलाइन जमा कराई गई है तो कृपया व्हाट्सएप नं. 9549656438 पर सूचित अवश्य करें।

स्वत्वाधिकार : कुमावत प्रगति ट्रस्ट के लिए प्रकाशक, मुद्रक सी.एम. कुमावत द्वारा राज ब्लॉक्स, बी-81, करतारपुरा इण्डस्ट्रीयल एरिया, 22 गोदाम, जयपुर से मुद्रित एवं एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018 से प्रकाशित सम्पादक राम प्रकाश कुमावत (मारवाल)

सम्पादकीय

प्राचीन भारत में दीपमालिका उत्सव कृषि उत्सव के रूप में मनाया जाता था। वस्तुत: यह पर्व नए धान्य के आगमन का भक्तिपूर्ण अभिनंदन है, उस देवी का अर्चन हैं, जो धन-धान्य के भंडार भरकर हमें रिद्धि-सिद्धि प्रदान करती है। दुर्भाग्यवश आज पूजन का यह आध्यात्मिक स्वरूप कुंठित होकर आडंबर का रूप धारण कर रहा है। तेल और घी के अभिमंत्रित दीपकों का स्थान मोमबत्ती, विद्युत बल्बों की झालर, आतिशबाजी और पटाखों ने ले लिया है।

भारत की पवित्र भूमि पर धर्म की विजय-पताका फहरे। पाप, धृणा, द्वेष, छल, कपट और भ्रष्टाचार का तमस् भारत के क्षितिज से दूर हो जाए। अमावस्या के इस निविड़ अंधकार को चीरकर ज्योति स्वरूपा महालक्ष्मी मुस्कान बिखेरे; कोई नयन, निराशा से बुझ न जाए; हर देहरी, हर आंगन दीपों के झिलमिल प्रकाश से जगमगा उठे; राष्ट्र के कण-कण में समृद्धि का विलास हो; खुशहाली की किरणें बिखरे और द्वार पर बंधे प्रत्येक बंदनवार से मंगल संदेश मुखरित हो।

हाल ही में जमाबन्दियों के सम्बन्ध में कुमावत/ प्रजापति/ प्रजापत/ कुम्हार प्रकरण बड़े जोर से उठाया गया। फुलेरा तथा अन्य विधानसभा क्षेत्रों में वर्ष 2019 व वर्ष 2020 की हस्तलिखित जमाबंदी को सरकार द्वारा डिजिटल करते समय कुछ जमाबंदियों में जाति कुमावत के स्थान पर प्रजापति/ प्रजापत/ कुम्हार कर दिया गया। इसे दुरुस्त करने के संबंध में विधायक निर्मल कुमावत ने विधानसभा में इस मामले को उठाया। राज्य सरकार ने गलति मानते हुए शासन उप सचिव ने समस्त जिला कलेक्टर को आदेश क्रमांक प 8(14) राज -6/ 2022 दिनांक 21 सितंबर 2022 जारी कर निर्देश दिए कि प्रदेश के जिन जिलों में वर्तमान जमाबंदी में जाति कुमावत के स्थान पर प्रजापति/ प्रजापत/ कुम्हार दर्ज हो गया है तो उसके स्थान पर पुन: जाति कुमावत दर्ज की जाए। इस मामले को कुम्हार समाज के कुछ लोगों ने तोड़-मरोड़ कर पेश किया। सभी जमा बंदियों में प्रजापति/ प्रजापत/ कुम्हार के स्थान पर कुमावत दर्ज करने का भ्रमित प्रचार, प्रसार किया जबकि ऐसा कदापि नहीं था। यदि जमाबंदी में जाति गलत दर्ज हो जाएगी तो उन कुमावत भाइयों को कितनी परेशानी का सामना करना पड़ेगा उनकी वोटर आईडी, बैंक खाते, पेन कार्ड आदि का क्या होगा ? इस संबंध में स्थिति स्पष्ट करते हुए फुलेरा के विधायक श्रीमान निर्मल कुमावत ने एक वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया जिसमें बड़े अच्छी तरह से इस प्रकरण को समझाया गया। लेकिन फिर भी कुमावत/ कुम्हार/ प्रजापत/ प्रजापति समाज के कई संगठनों ने इस मुद्दे पर सरकार को ज्ञापन दिया। राजस्थान सरकार ने पुन: आदेश क्रमांक प 8(14) राज 6/ 22 दिनांक 10 अक्टूबर 2022 को जारी कर सभी जिला कलेक्टर को निर्देश दिए कि राज्य में DILRMP के तहत तहसीलों को ऑनलाइन किये जाने के दौरान यदि किसी जिले में राजस्व रिकॉर्ड को ऑनलाइन किया जाते समय पूर्व में राजस्व रिकॉर्ड में जाति कुमावत के स्थान पर प्रजापति/ प्रजापत/ कुम्हार दर्ज हो गया है अथवा प्रजापति/ प्रजापत/ कुम्हार के स्थान पर कुमावत दर्ज हो गया हो तो त्रुटि को संशोधित करते हुए उन्हें पुन: मूल प्रविष्टि अनुसार दर्ज किया जाना सुनिश्चित करें। उम्मीद है इस आदेश से स्थिति स्पष्ट होने के बाद कुम्हार समाज अनावश्यक दुष्प्रचार नहीं करेगा तथा सामाजिक सौहार्द बना रहेगा। जिनके राजस्व रेकार्ड में गलत दर्ज हुआ है, वे अपना रेकार्ड सही करा पायेंगे

'कुमावत इंडिया' परिवार की ओर से **दिपावली पर्व** पर सभी को **हार्दिक शुभकामनाएं**। **- रामप्रकाश कुमावत (मारवाल)**

नोट : वेवबसाइट का पता बदला, अब www.kumawatindiapatrika.in पर 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के पिछले अंक देख सकते हैं।

अनुक्रमणिका

सम्पादकीय	3
बधाई विज्ञापन	4
कुमावत गौरव : आशुतोष कुमावत	5
वनिता जलान्धरा मिस फ्रेशर बनी	5
तुषार मंडावरा ने जीते दो रजत	5
स्वर कोकिला लता मंगेशकर की जयंती पर अयोध्या में लता चौक का लोकार्पण	6
डिम्पल चेजारा बनी सीए	6
डॉ. ओ.पी. बालोदिया सम्मानित	6
बधाई एवं शुभकामना विज्ञापन	6
अध्यक्ष की कलम से	7
नि:शुल्क चिकित्सा व जाँच शिविर का आयोजन तथा 'हर घर दिवाली महोत्सव'	7
कारगिल शहीद सीताराम कुमावत के 48वें जन्म दिवस पर कार्यक्रम आयोजित	7
जिला स्तरीय सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता 'ज्ञानोदय' संपन्न	8
पावर सेक्टर कुमावत ग्रुप का पिकनिक	8
नि:शुल्क शिक्षा देने का उठाया बीड़ा	8
डॉ. भावेश कुमावत सहायक प्रोफेसर	9
सेवानिवृत्त लेफ्टिनेन्ट जनरल अनिल चौहान CDS नियुक्त	9
लव-जिहाद में पड़ी सुरभि कुमावत ने आत्म हत्या की	9
मुहावरा ग़ज़ल	9
कुमावत समाज ट्रस्ट रजि. सूरत की नई कार्यकारिणी गठित	10
रूट डांडिया रास 2022 आयोजित	10
कौशल्या धाम बनेगा छत्तीसगढ़ की पहचान	10
कुमावत खिलाडियों ने जीते पदक	10
पत्रकार मोना कुमावत को विश्व शांति सम्मान से नवाजा गया	10
कुमावत युवा मण्डल सवाईमाधोपुर के चुनाव सम्पन्न	10
सामाजिक एकता गायत्री यज्ञ एवं कुमावत समाज मेवाड़ एकता संगोष्ठी आयोजित	11
मुकेश वर्मा पुन: पीसीसी सचिव नियुक्त	11
5 दिवसीय पर्व- दीपावली	12
जब साहूकार की बेटी ने लक्ष्मीजी को दिया न्योता	13
ऐसे करें दीपावली की सफाइयां	13
लक्ष्मी संग क्यों पूजे जाते हैं श्री गणेश	
क्यों मां लक्ष्मी विराजती हैं भगवान गणेश के दाहिनी ओर	14
बधाई एवं शुभकामना विज्ञापन	15-18
रास धूमर का आयोजन : गरबे की रिदम पर थिरके कदम	17
शोक संदेश व बधाई एवं शुभकामना विज्ञापन	17
दीपावली मनाने के पीछे मान्यताएं व साक्ष्य	19
विवाह एक संस्कार	21
कैसे मनाये दिवाली	22
राजस्व रिकॉर्ड सम्बन्धी आवश्यक सूचना	22
मेघावी छात्रों का सम्मान समारोह	22
ब्लैकमेलिंग का खेल !	23
विशिष्ट संरक्षक/श्रद्धांजलि	24
विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची	25
'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिलने पर यहां सम्पर्क करें	26
विज्ञापन	27-30
श्रद्धांजलि	29

समाज बंधुओं से दीपावली के शुभ अवसर पर आग्रह है कि तन-मन से एक दूसरे का साथ दे। जो सरकारी सेवा में है वे समाजबंधुओं की सहायता करें तथा जो व्यापार में हैं वे एक-दूसरे को अधिक से अधिक सहयोग करें।

राजसिंह बधानिया, आर्किटेक्ट
बाबा हरिश्चन्द्र मार्ग, जयपुर
मो. : 9414238799

दीपावली के पावन पर्व पर सभी समाजबंधुओं को दीपावली की हार्दिक शुभकामना। आइए हम संकल्प लें की इस दिवाली को हम प्रदूषण नहीं फैलाएं तथा ग्रीन दिवाली मनाएं।

लाल चन्द धुंधारिया
आनन्दपुरी, आदर्श नगर, जयपुर
मो. : 9413335998

जयपुर शहर के सभी निवासियों को मेरी ओर से दीपावली की हार्दिक शुभकामना। यह दिवाली जयपुर निवासियों के लिए शुभ हो तथा हमारा जयपुर की उत्तरोत्तर प्रगति और विकास हो तथा रोजगार के अवसर सृजित हों।

संदीप कुमावत
जिला कार्यकारिणी सदस्य,
भाजपा ओबीसी मोर्चा, जयपुर शहर
मो. 9351214004

यह दीपावली आपके लिए खुशियां एवं उत्साह भरी हो। सभी समाजबंधु उन्नति के पथ पर अग्रसर हों। युवा वर्ग शिक्षा, खेल तथा समाज सेवा के साथ अपनी नौकरियों एवं व्यवसाय में आगे बढ़े। दिवाली की पुन: शुभकामनाएं।

नीरज धुंधारिया
आनन्दपुरी, आदर्श नगर, जयपुर
मो. : 8955288823

खुशियों से हो ना कोई दूरी, रहे न कोई ख्वाहिश अधूरी, दीपों से भरे इस मौसम में, रोशन हो आपकी दुनिया पूरी। दीपोत्सव के त्योहार पर आपके जीवन में खुशियां ही खुशियां हों। आप सभी को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं।

सतीश कुमावत
गणपति आर्ट एन फ्रेम्स, आदर्श बस्ती
टोंक फाटक, जयपुर मो. : 8058157147

महेश नगर मण्डल, जयपुर के सभी लोगों को दीपोत्सव के पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। इस पर्व के साथ ही आप सभी क्षेत्रवासी प्रगति के पथ पर अग्रसर होंगे ऐसी मेरी शुभकामना है।

श्रवण कुमावत
भाजपा मण्डल अध्यक्ष,
महेश नगर ओबीसी मोर्चा,ग्रेटर नगर निगम
विधानसभा क्षेत्र मालवीय नगर, जयपुर
मो. : 9828044107

आशुतोष कुमावत

शेखावाटी अंचल से गुजर रही अरावली पर्वत श्रृंखला की तलहटी में बसा उदयपुरवाटी तहसील के छापोली (जिला झुंझुनू) ग्राम में श्री मांगीलालजी कोलुगरिया के सुपुत्र श्री ठंडूरामजी मिस्त्री के पुत्र श्री ओम प्रकाश कुमावत के पुत्र का जन्म गणेश चतुर्थी के दिन 5 सितम्बर 1970 को जयपुर में हुआ। नाम रखा गया **'आशुतोष'**।

इनकी शिक्षा जयपुर के माहेश्वरी स्कूल से 12वीं तक हुई तथा राजस्थान विश्वविद्यालय से स्नातक किया। जयपुर में ही कंप्यूटर शिक्षा प्राप्त (पीजी डी सी ए) कर **12 वर्षों तक दैनिक भास्कर समाचार पत्र एवं रेडियो डिवीजन MYFM में मैनेजर के पद पर सेवायें दी।** साथ ही दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से एम.सी.ए. की उपाधि भी प्राप्त की, इस दौरान भास्कर प्रबंधन ने उन्हें बेस्ट एम्प्लोयी के अवार्ड से भी सम्मानित किया गया। **इसके बाद छः वर्षों तक हिन्दुस्थान टाइम्स FM रेडियो डिवीजन, दिल्ली में सीनियर मैनेजर पद अपनी सेवाये दी।** इस दौरान कई बार देश में एवं विदेश की यात्रा की और नेशनल मीडिया में अपनी पहचान बनाई। दिल्ली में हुए **ए आर रहमान के शो** प्रोमो में भी काम किया जिसे बाद में स्टार टीवी पर शो से पहले चलाया गया। इनके कार्य से प्रभावित हो प्रबंधन ने तीन बार बेस्ट एम्प्लोयी का सम्मान भी दिया।

दुर्भाग्यवश माताजी की गंभीर अस्वस्थता के कारण नौकरी छोड़ जयपुर आना पड़ा। विधि की विडम्बना रही की अप्रैल 2014 में माताजी का वरदहस्त इनके सिर से उठ गया। इसलिए जयपुर में रहकर पिताजी की सेवा में प्रयत्नशील है।

जयपुर में रह कर इक ब्रांडेड कंपनी में मैनेजर के पद पर कार्य किया। इस दौरान MEA, दिल्ली द्वारा सर्टिफाइड मास्टर ट्रेनर बने जो खाड़ी देशों में जाने वाले सेमी स्किल्ड युवाओं को 1 दिन की ट्रेनिंग देते हैं। इसके चलते आपको विदेश मंत्रालय अधिकारियों ने जयपुर में आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। सहयोग की भावना रखते हुए अपने कार्यक्षेत्र में समाज बन्धुओं व अन्य जरुरतमंद युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने में भी आप मदद करते रहे हैं। कोविड काल के बाद से ये मीडिया कंसल्टेंट के रूप अखबार, टीवी, रेडियो और डॉक्टर्स एसोसिएशन (जयपुर ईस्ट-वेस्ट) के लिए काम कर रहें हैं । इनका विवाह वर्ष 2001 जयपुर के कल्याण जी का रास्ता निवासी नामवर ठेकेदार श्री रामसहाय जी कुदाल के सुपुत्र श्री महेश की सुपुत्री मिताली से हुआ जो एम.ए. है तथा वह गृहणी धर्म का निर्वहन कर रही हैं। आपके दो पुत्र श्री युवराज व श्री सात्विक हैं, दोनों अध्यनरत हैं। आपके पिताजी श्री ओम प्रकाश, कार्यालय प्रधान महालेखाकार राजस्थान, जयपुर से वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी पद से वर्ष 2004 में सेवानिवृत्त हुए। आपके दादाजी स्वर्गीय श्री ठंडू रामजी कुशल भवन निर्माता थे, जिनकी कला के बेजोड़ नमूने शेखावाटी में आज भी अपनी शोभा बढ़ा रहे हैं। इनका मुख्य कार्य क्षेत्र महाराष्ट्र के अमरावती, यूगाँव, निरुल, जलगाँव रहा, जहाँ मदिरों की नक्काशी दर्शनीय एवं महत्वपूर्ण है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

वनिता जलान्धरा मिस फ्रेशर बनी

गीतांजली मेडिकल कालेज, उदयपुर में फ्रेशर डे पर रैम्प वाक में 94 स्टूडेंट्स ने भाग लिया। इनमें से मिस फ्रेशर 2021 **वनिता जलान्धरा** चुनी गई।

इस अवसर पर कालेज के कार्यकारी निदेशक अंकित अग्रवाल, अध्यक्ष एफ एस मेहता, डीन डा. डी सी कुमावत, अतिरिक्त प्राचार्य डा. मनिंदर कोर, सीईओ प्रीतम तम्बाकू व अधीक्षक डा.सुनीता दशोतर उपस्थित थे।

वनिता जलान्धरा को मिस फ्रेशर चुने जाने पर **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका की ओर से बधाई।

तुषार मंडावरा ने जीते दो रजत

2-3 अक्टूबर 2022 को THE ZEAL NATIONAL ART, UDAIPUR द्वारा जयपुर में आयोजित कराटे चेम्पियनशिप (Imas National Karate Championship-2022-Sub junior, cadet, junior & Senior) में तुषार मंडावरा पुत्र श्री महेश्वर हेमलता मंडावरा जयपुर ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर दो रजत पदक जीते।

ये समाजसेवी व भामाशाह, कुमावत समाज द्वारा 'स्वर्ण पदक' से अलंकृत जयपुर निवासी स्व.श्री ईश्वर लाल जी मंडावरा के पड़पौत्र है। **बधाई!**

- वी एल मंडावरा, मंत्री(प्रशासनिक)
भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा रजि, शाखा

स्वर कोकिला लता मंगेशकर की जयंती पर अयोध्या में लता चौक का लोकार्पण

28 सितम्बर को अयोध्या में सरयू व राम की पैडी के निकट स्वर कोकिला भारत रत्न लता मंगेश्कर की जयंति पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा केन्द्रीय पर्यटन मंत्री किशन रेड्डी ने '**लता चौक**' का लोकार्पण किया। इस चौक के बीच में ताम्बे व स्टील से बनी 14 टन वजनी एवं 40 फुट लम्बी वीणा स्थापित की गयी है, जिसे राम सुथार ने 2 माह में 7.9 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया है। इस वीणा पर कमल तथा माँ सरस्वती का चित्र उकेरा गया है। इस चौक के मध्य में 92 कमल दल लगाये गये हैं, जो लता जी के 92 वर्ष के जीवनकाल के प्रतीक हैं। यहां 24 घण्टे लता जी की आवाज में रामधुनी सुनाई देगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का वीडियो संदेश कार्यक्रम स्थल रामकथा पार्क में प्रसारित हुआ जिसमें उन्होंने कहा कि लता दीदी राम की अनन्य भक्त थी, जब अयोध्या में राम मंदिर का भूमि पूजन हुआ तो लताजी ने प्रसन्न होकर उन्हें फोन कर बताया कि विश्वास नहीं हो रहा कि यहां राम मंदिर का भूमि पूजन हो चुका है। लता जी का भजन था, ''**मन की अयोध्या तब तक सूनी, जब तक राम न आये।**'' अब अयोध्या में रामलला का मंदिर निर्माणाधीन है, यहां राम विराजमान होंगे। लता चौक बनने से अब लताजी हमेशा के लिए यहां से जुड़ गयी हैं। उन्हें श्रद्धांजलि देने का इससे उत्तम स्थान नहीं था।

डिम्पल चेजारा बनी सीए

डिम्पल चेजारा (कुमावत) पुत्री श्री तेजाराम चेजारा (कुमावत) की सुपुत्री ने चार्टर्ड एकाउंटेंट की परीक्षा उत्तीर्ण कर समाज का गौरव बढ़ाया है। **बधाई!**

डॉ. ओ.पी. बालोदिया सम्मानित

चिकित्सा के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिये डा. ओ. पी. बालोदिया को '**कुमावत इंडिया**' पत्रिका द्वारा सम्मानित किया गया। **बधाई!**

चेतनजी कुमावत

जिलाध्यक्ष, भाजपा ओबीसी मोर्चा, जयपुर शहर

संस्थापक टीम चेतन धुंधारिया **को**

जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

श्री सत्यनारायण कुमावत-श्रीमती कान्ता कुमावत

(रिटायर्ड एडीशनल एस.पी. राजस्थान पुलिस)

शुभेच्छुः

दुष्यंत सिंह-ऋतु कुमावत

आदित्य, सारा व स्वरा

राकेश कुमावत-मीना कुमावत

(सीनियर ऑडिट ऑफिसर, ए.जी. ऑफिस, राज.)

मो. 9460061006, 8619095887

एस-3 बी, कबीर मार्ग, बनीपार्क, जयपुर-302016

अध्यक्ष की कलम से

सम्मानीय समाजजनों,

'कुमावत इंडिया' पत्रिका का यह अंक आप तक पहुँचते-पहुँचते दीपावली का पावन त्यौहार आ जायेगा। सर्वप्रथम आप सभी को **दीपावली की हार्दिक शुभकामना।**

आप सभी ने इन दिनों अपने घरों, व्यावसायिक स्थलों आदि की सफाई कर तथा रंग-रोगन कर चमकाया है। आइये, हम सभी इस पावन पर्व पर अपने अन्तर्मन की बुराइयां, द्वेष, कटुता को भी साफ करके दूर कर दें तथा आत्मा में नवीन सकारात्मक विचारों का समावेश कर कायाकल्प करें। दीपावली पर अपनी सरल मुस्कान और मिलनसारिता के साथ सभी से गले मिलें, उन्हें मिठाई व अन्य उपहार दें, इससे निश्चय ही कठोरतम हृदय भी पिघल जायेंगे तथा सब ओर खुशी व ताजगी व्याप्त होगी। यह हमारे भीतर की रोशनी को जगमग कर देगी जिससे सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। इससे भातृत्व की भावना एवं सामाजिक सौहार्द्र तो बढ़ेगा साथ ही मन में निर्मलता का वास होगा। इसीलिए तो कहा गया है कि **बुराई के अंधेरे पर अच्छाई के प्रकाश का प्रतीक है, दीपावली।** दीपक हमारे बीच पवित्रता, प्यार, अच्छाई, प्रार्थना तथा सद्भाव का खुशनुमा एवं अद्भुत वातावरण बना देता है। हमें अपने बुजुर्गों को प्रणाम कर आशीर्वाद लेना चाहिये, यह हमारे संस्कार का अभिन्न अंग है। ऐसे संस्कार अपने बच्चों में भी डालें। ध्यान दें कि पटाखे व आतिशबाजी के अधिक उपयोग से प्रदूषण नहीं फैलावे। जहां बच्चों के मनोरंजन का प्रश्न है वहां कम ध्वनी के ग्रीन पटाखे ही अपनी उपस्थिति में चलाने दे।

पटाखों की तेज आवाज बच्चे एवं बुजुर्गों तथा पशु-पक्षियों की शांति व स्वास्थ्य के कतई अनुकूल नहीं होती, हम उनका भी

ध्यान रखे। दुर्भाग्यवश दुर्घटना घटित होने पर जहां त्यौहार के रंग में भंग पड़ जाता है वहीं अपनों की पीड़ा देखी नहीं जाती। सावधानी के तौर पर एक बाल्टी पानी की भरकर अवश्य रखे।

- रमेश गैदर

नि:शुल्क चिकित्सा व जाँच शिविर का आयोजन तथा 'हर घर दिवाली महोत्सव'

स्वामिनी सेवा संस्था द्वारा बन्दडेश्वर महादेव मंदिर, सोडाला में मुफ्त चिकित्सा व जांच शिविर का आयोजन किया गया। इसमें सैंकड़ों लोगों ने मुफ्त स्वास्थ्य जांच एवं इलाज का लाभ उठाया। स्वामिनी सेवा संस्था के अध्यक्ष अशोक कुमावत ने बताया कि मानव सेवा एवं समाजसेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। जब भी मौका मिलता है, इस तरह के शिविर के माध्यम से लोगों की सेवा करते रहते हैं। जिससे अब तक हजारों लोग लाभान्वित हो चुके हैं। इसी कड़ी में यह मुफ्त चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में जनरल फिजिशियन तथा होमियोपैथी के डॉ. ने अपनी सेवायें दी। शिविर में 200 मरीजों के ब्लड प्रेशर, शुगर, ब्लड, ईसीजी एवं अन्य बीमारियों की जांच पड़ताल कर मुफ्त चिकित्सा जांच व दवा वितरण सेवा का लाभ सैकड़ों लोगों को दिया।

इस अवसर पर अशोक कुमावत, गुरूदयाल कुमावत, गोविन्द कुमावत महेन्द्र कुमावत व 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के सह सम्पादक जयसिंह गुडीवाल व उप कोषाध्यक्ष खेमचंद खडगटा मौजूद रहे।

हर घर दिवाली महोत्सव : स्वामिनी सेवा संस्थान पिछले चार वर्षों की भांति इस वर्ष भी **हर घर दिवाली महोत्सव-2022** का आयोजन कर रही है। दिवाली के शुभ अवसर पर यह संस्था गरीब और असहाय बच्चों एवं महिलाओं के लिए 11000 मिठाई के पैकिट तथा नए कपड़े और पटाखे उपलब्ध करा रही है। इस पुनित कार्य में संस्था ने सर्वसमाज से आर्थिक सहयोग की अपेक्षा की है तथा **स्वामिनी सेवा संस्था ने कोटक महिन्द्रा बैंक के खाता संख्या 6113247509, आईएफसी कोड-KKBK0003544** में सहयोग राशि भिजवाने का आग्रह किया है। स्वामिनी सेवा संस्थान का दिवाली पर गरीब बच्चों एवं महिलाओं को दिवाली पर दिए जाने वाला सहयोग प्रशंसनीय है। इससे वे भी दिवाली का त्यौंहार हंसी-खुशी बना पाएंगे।

कारगिल शहीद सीताराम कुमावत के 48वें जन्म दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

राजकीय विद्यालय में सम्मान समारोह के रूप में शहीद सीताराम कुमावत जन सेवा संस्थान पंजी. के तत्वावधान में विद्यार्थियों व विद्यालय का सम्मान कर मनाई गई। संस्थान अध्यक्ष नवीन सिरस्वा ने बताया कि कार्यक्रम में बोर्ड परीक्षा में अव्वल स्थान पर आने वाले 10 विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया व साथ में विद्यालय द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में शहीद के पिताजी बिरदीराम जी, वीरांगना सुनीता, पुत्र आशीष, संस्थान से कोषाध्यक्ष राजेश कुदाल, सचिव मुकेश नेमिवाल व विद्यालय प्रधानाचार्य मोहन जी यादव सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। बोर्ड परीक्षा में प्रथम स्थान पर दिवांशु, दिव्या, आसिफ, शुभम व मनीषा कुमावत सहित अनेक विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। साथ में प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम में सही उत्तर बताने वाले छात्रों का सम्मान किया गया।

एक प्रयास शिक्षा की ओर

जिला स्तरीय सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता 'ज्ञानोदय' संपन्न

2 अक्टूबर 2022 महात्मा गांधी जयंती के उपलक्ष में कुमावत समाज मे आयोजित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता कुमावत धर्मशाला अवंतीपुरा में संपन्न हुई जिसमें उज्जैन जिले से पांचवीं से बारहवीं तक 55 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बड़नगर नगर पालिका के पार्षद श्री अजय दोराया, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेंद्र पिलोदिया, बसंत दोराया कुमावत जागृति के प्रधान संपादक मनोहर लाल कुमावत, डॉक्टर जी एल ददरवाल उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुमावत समाज अवंतिपुरा अध्यक्ष श्री मुकेश जी रेनीवाल ने की ।

कार्यक्रम आयोजक राजेश देतवाल, इंजी कपिल कुमावत ने बताया की जिले में ऐसी प्रथम प्रतियोगिता आयोजित हुई, जिसमें सभी ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया, पुरस्कार विजेता निम्न प्रकार रहे:-

कक्षा 5 से 8वीं : प्रथम पुरस्कार -भूमि कुमावत जयसिंह पुरा, उज्जैन, **द्वितीय पुरस्कार** - दक्षेश ददरवाल, बड़नगर, **तृतीय पुरस्कार**- यशस्वी कुमावत, उज्जैन।

कक्षा 9 से 12 वीं : प्रथम पुरस्कार -कर्मवीर कुमावत अवंतीपुरा, उज्जैन, **द्वितीय पुरस्कार** -विक्की राजेश कुमावत, जयसिंह पुरा, उज्जैन। **तृतीय पुरस्कार**- तनिष्क कुमावत, करोहन, उज्जैन। इन सभी विजेताओं को प्रमाण पत्र वितरण किए गए। कार्यक्रम का संचालन साक्षी कुमावत और काजल कुमावत ने किया, कार्यक्रम में बाबूलाल अजमेरा शिक्षक सुभाष कुमावत शिक्षक शिवशंकर धनेरिया, रामकरण कुमावत, नीलेश धनेरिया तथा विवेक कुमावत का विशेष सहयोग रहा।

पावर सेक्टर कुमावत ग्रुप का पिकनिक

'पावर सेक्टर कुमावत' विद्युत निगमों में कुमावत बंधुओं का संगठन है, इसके संयोजक श्री लक्ष्मी नारायण कुमावत, सहायक अभियंता (सेवानिवृत्त) हैं। 18 अक्टूबर 2022 को यह ग्रुप का पिकनिक के लिए जयपुर से प्रातः बस द्वारा रवाना हुआ। रास्ते में शील की डूंगरी (चाकसू) पर शीतला माता के दर्शन कर अपने परिजनों के लिए तथा वर्तमान में गायों में फैल रही लंबी बीमारी की रोकथाम के लिए प्रार्थना की। फिर शिवाड़ पहुंचकर द्वादशवां ज्योतिर्लिंग घुश्मेश्वर शिव मंदिर में दर्शन कर ऊपर पहाड़ी पर बने नयनाभिराम दृश्यों, वहां बनी मूर्तियों के दर्शन किए। यहां से आगे चलकर बनास नदी पार कर नदी के करीब चलते हुए दक्षिण दिशा में करीब 5 किलोमीटर दूर स्थित धोली गांव में बनास के किनारे बने नदी वाले बालाजी के मंदिर पहुंचे जहाँ थोड़ा विश्राम कर बनास नदी में स्नान तथा नदी का रमणीक दृश्यों का आनंद लिया। स्नान के बाद मंदिर में प्रसादी (चूरमा- दाल-बाटी) की व्यवस्था श्री सोनू कुमावत के द्वारा की गई थी जिनका गांव पावा डेरा यहां से पास में ही था। प्रसादी तैयार होने पर बालाजी को भोग लगाया तथा हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ किया। सभी ने भोजन प्रसादी का आनंद लिया फिर थोड़ा विश्राम कर वापस जयपुर के लिए रवाना हुए । पिकनिक में लक्ष्मीनारायण, कुंदन मल, भवानी शंकर बासनिवाल, कजोड़ मल, सोमेंद्र, भक्तराज, रामनिवास कुमावत, मुकेश कुमावत, महावीर प्रसाद कुमावत , राजेश कुमावत, सोनू कुमावत व जुगल किशोर कुमावत सपरिवार सम्मिलित हुए ।

- **लक्ष्मी नारायण कुमावत,** संयोजक

नि:शुल्क शिक्षा देने का उठाया बीड़ा

श्री मोहन लाल कुमावत ने बताया कि राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गगचाना में विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित होने का उन्हें अवसर प्राप्त हुआ जहां बालकों द्वारा उनकी सेवानिवृत्ति के बाद रिक्तता से पढ़ाई में आ रही बाधा के बारे में अवगत कराया और निवेदन किया कि वे उस विषय का नि:शुल्क अध्यापन कार्य पूर्ण कराये। जिसका प्रधानाचार्य एवं समस्त स्टाफ और एस.डी.एम.सी. सदस्यों ने समर्थन किया ।

बालकों के हित और समाज की सेवा का अवसर पाकर उन्होंने विद्यालय में विषयाध्यापक का पद नहीं भरने तक अध्यापन कार्य करने का आश्वासन दिया। सभी ने तालियों से उनके इस निर्णय का स्वागत किया। ज्ञात रहे कि उक्त विद्यालय में 80 प्रतिशत बालक कुमावत समाज के अध्ययनरत हैं। श्री मोहनलाल कुमावत की इस पहल का 'कुमावत इंडिया' पत्रिका स्वागत करती है।

- **मोहन लाल कुमावत**, छबड़ा जिला बारां राजस्थान।।

सेवानिवृत्त लेफ्टिनेन्ट जनरल अनिल चौहान CDS नियुक्त

चीफ ऑफ डिफेन्स स्टॉफ (CDS) के पद पर केन्द्र सरकार ने विचार-विमर्श के बाद सेवानिवृत्त लेफ्टिनेन्ट जनरल अनिल चौहान की नियुक्ति की है। सरकार ने नियमों में बदलाव कर पहली बार 3 स्टार सैन्य अधिकारी को CDS बनाया है। इनकी नियुक्ति पद सम्भालने से अग्रिम आदेशों तक रहेगी। यह पद विपिन रावत की दुर्घटना में मृत्यु से लगभग 10 माह से खाली था। ये रक्षा मामलों के सचिव भी

होंगे। इन्होंने सेना को 40 वर्ष तक सेवाएं दी थी व अपने कैरियर के दौरान जम्मू-कश्मीर, उत्तर पूर्व भारत में सेवाएं दी तथा आतंक विरोधी अभियान का अच्छा अनुभव है। ये मई 2021 में सेवानिवृत्त हुए थे। इससे पूर्व सैन्य संचालन महानिदेशक का प्रभार तथा संयुक्त राष्ट्र मिशनों में कार्य किया था। इनकी नियुक्ति से भारतीय सेना उत्तरी-पश्चिमी सीमाओं पर और सुदृढ़ होगी, ऐसी आशा है।

लव-जिहाद में पड़ी सुरभि कुमावत ने आत्म हत्या की

पंजाब नेशनल बैंक की मार्केटिंग मैनेजर सुरभि कुमावत ने गत दिनों मुहाना इलाके के फ्लैट में आत्महत्या कर ली। इसकी सूचना उसके पति शाहिद अली ने पुलिस को दी किन्तु पुलिस के पहुंचने से पहले ही उसने फंदे को काटकर शव को नीचे उतार लिया था। पुलिस ने एफएसएल टीम से घटना स्थल के साक्ष्य जुटाए एवं वीडियो रिकॉर्डिंग करवा शव को पोस्ट मार्टम के लिए भेजा। थाना अधिकारी लखन खटाणा के अनुसार मौका देखने प्रथम दृष्टया लगा की फंदा लगाते समय सुरभि के घुटने बिस्तर पर टीके हुए थे। मामले की जांच एसडीएम से कराई जा रही है। सुरभि ने 1 जनवरी 2016 को शाहिद से गाजियाबाद में आर्यसमाज में शादी कर ली थी। तब से वह बांसबदनपुरा, जयपुर में रह रही थी। इस साल ही उन्होंने नया फ्लैट मुहाना में खरीदा था और जून के महीने में ही उसमें शिफ्ट हुए थे।

सुरभि ने सोसाइट नोट में लिखा की उसे कोई नहीं समझता है। हर कोई आहत करना चाहता है, वे सिर्फ खुश रहना चाहती है और किसी के जीवन में परेशानी नहीं बनना चाहती उसका पति उससे नफरत करता है और छोड़ने की धमकी देता है। उसका इस्तेमाल स्वार्थ के लिए किया गया। वो यह सब छोड़ जा रही हैं तथा दु:ख है कि बेटी को नहीं देख पाएगी।

समाज के लड़के-लड़कियां इससे सीख लेवें एवं सतर्क रहें तथा अन्तरजातीय तथा धर्म के बाहर शादी के किसी प्रलोभन तथा लव-जिहाद में पड़कर शादी नहीं करें। क्योंकि संस्कृति की भिन्नता तथा सामंजस्यता के अभाव में इस तरह की घटनाए देखने सुनने को मिलती रहती है। यदि स्वार्थवश किसी ने इस प्रकार से विवाह किया है तो उसकी सफलता संदिग्ध ही होती है।

मुहावरा ग़ज़ल

आसमान से बातें करना, आंख दिखाना ठीक नहीं।
सर पे चढ़ना ऊँचा उड़ना, बाँग लगाना ठीक नहीं।।

आँखों का काँटा हो जाना, और खटकना आँखों में,
अपनों पे ही आँख उठाना, आँख चुराना ठीक नहीं।

कानों कान खबर न होना, कान लगाना इधर उधर,
कानों में उँगली दे सोना, कान खुजाना ठीक नहीं।

रात रात भर तारे गिनना, खोए रहना ख्वाबों में,
चुपके चुपके आहें भरना, नैन गँवाना ठीक नहीं।

गिरगिट की ज्यों रंग बदलना, गाल बजाना सारे दिन,
जले हुए पे नमक छिड़कना, घाव कुचरना ठीक नहीं।

बिन पेंदे का लोटा होना, और घड़ा चिकना होना,
बे-मतलब बे-बात फटे में, टाँग अड़ाना ठीक नहीं।

बात बात में आपा खोना, बाग लगाना बातों का,
'चंचल' चाँद ईद का होना, हाथ नचाना ठीक नहीं।

- प्रहलाद कुमावत 'चंचल'

डॉ. भावेश कुमावत सहायक प्रोफेसर

डॉ. भावेश कुमावत पिछले 10 वर्षों से माधव विश्वविद्यालय आबू रोड में सहायक प्रोफेसर और सहायक रजिस्ट्रार के रूप में कार्यरत हैं। वर्तमान में उनके पास यूजी, पीजी एवं पीएच.डी कक्षाओं को पढ़ाने के लिए 9 साल का शिक्षण अनुभव है। डॉ. कुमावत के मार्ग दर्शन में 2 शोधार्थी की पीएचडी अवार्ड कर दी है एवं 6 शोधार्थी उनके मार्ग दर्शन में अपना रिसर्च कार्य कर रहे है। डॉ. कुमावत को आईआईआरएस इसरो और एनआईटीटीटीआर चंडीगढ़ में उच्च स्तर प्रशिक्षण कार्यक्रम के बाद शॉर्ट टर्म कोर्स से कंप्यूटर प्रोग्रामिंग में प्रशिक्षित किया गया है। डॉ कुमावत को राष्ट्रीय शिक्षक रतन समता पुरस्कार 2021 से सम्मानित हैं। उन्होंने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों, संगोष्ठियों और कार्यशालाओं में भाग लेकर शोधपत्र प्रस्तुत किए हैं। डॉ. कुमावत ने 49 शोध पत्र, क्लाउड कंप्यूटिंग, ब्लैक होल अटैक की 3 पुस्तकें, 1 अंतर्राष्ट्रीय जर्मन पेटेंट, 34 लेख विभिन्न समाचार पत्रों में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय जर्नल ऑफ ख्याति में प्रकाशित किए हैं। ये सभी कंप्यूटर प्रोग्रामिंग और क्लाउड कंप्यूटिंग विकास का व्यापक उपयोग करते हैं। डॉ. कुमावत समता साहित्य अकादमी के राज्य युवा संगठन महासचिव और दलित साहित्य अकादमी के उदयपुर मंडल अध्यक्ष हैं।

कुमावत समाज ट्रस्ट रजि. सूरत की नई कार्यकारिणी गठित

सूरत कुमावत समाज भवन में 18 सितंबर 2022 को कुमावत समाज ट्रस्ट रजि. सूरत द्वारा बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें कुमावत समाज सूरत कि नवीन कार्यकारिणी वर्ष 2022-23 का गठन किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद पर **ओमप्रकाश घोड़ावड़** को मनोनीत किया गया कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए महामंत्री व मीडिया प्रभारी पुखराज लारना, सरंक्षक सम्पतराज खरनालिया व भेराराम मानणीया, उपाध्यक्ष प्रकाशचंद मावर व प्रकाशचंद बाकरेचा, कोषाध्यक्ष बनवारीलाल मालिवाड़ व खेमाराम एकलिया, सचिव इन्द्रचंद मावर व बाबुलाल मोटावत, सहसचिव नोरतमल रेणवाल व कन्हैयालाल खरनालिया, खेलमंत्री राजूराम टांक व गौतम चांदोरा, व्यवस्थापक मनोहर मेहरोता व चेनाराम रेणवाल, संगठनमंत्री प्रकाश पिलोदीया, जस्साराम बालुदींया, श्रवणराम धमाणीयां, गणपतलाल मोटावत को नियुक्त किया गया। बैठक में समाज कि मूलभूत समस्याओं पर विचार विमर्श किया गया व समाजहित में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इस मौके पर समाज के सदस्यगण व गणमान्य लोग उपस्थित थे।

ULC डांडिया रास 2022 आयोजित

उदयपुर लेकसीटी कॉम द्वारा शुभ केसर गार्डन, उदयपुर के प्रांगण में दिनाक 26 अक्टूम्बर 2022 से 'नो दिवसीय' ULC डांडिया रास 2022 का सह-शुल्क आयोजन किया जा रहा है।

उक्त आयोजित डांडिया रास-2022 एक दिवसीय डांडिया महोत्सव 27 सितम्बर 2022,को सायँ 7.00 से 10.00 तक केवल कुमावत समाज के सभी बंधुओ के लिए नि:शुल्क आयोजित किया गया।

डांडिया रास-2022 में कुमावत समाज की पंचायत एव नगर महासभा के पदाधिकारी मुख्य अथिति थे:-

पांच खेड़ा पंचायत के श्री दयाशंकर जी भदानिया अध्यक्ष एवं श्री लक्ष्मी लाल जी बातरा महामंत्री, **सूरजपोल पंचायत से** श्री मानक जी बबेरिवाल अध्यक्ष, **पुलां पंचायत से** श्री रमेश चन्द्र जी भदानिया अध्यक्ष, **धोलीबाबड़ी पंचायत से** श्री कन्हैया लाल जी टाँक अध्यक्ष, **देवाली पंचायत से** श्री भागचंद जी बातरा अध्यक्ष, **नगर महासभा से** श्री युवराज सिंह जी नाहर अध्यक्ष, डांडिया रास प्रोग्राम में समाज बन्धुओं, माताओं, बहनों, युवाओं तथा बच्चों ने बढ़-चढ़कर एवं पूरे जोश से अच्छा प्रदर्शन किया।

श्री टाँक ने वार्ता को दौरान बताया कि डांडिया रास केवल कुमावत बन्धुओ के लिये ही नि:शुल्क रखने मुख्य उद्देश्य था कि अधिक से अधिक संख्या में कुमावत परिवार भाग लेवे जिससे समाज मे एकता को बढ़ावा तो निश्चित रूप से मिलेगा ही वही दूसरी और युवाओं को अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन करने का भी एक प्लेटफार्म मिलेगा। - **गौरव टाँक,** संयोजक

कौशल्या धाम बनेगा छत्तीसगढ़ की पहचान

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के चन्द्रखुरी में माता कौशल्या का भव्य धाम बनाया गया है। यहां के लोगों की श्रीराम में अटूट आस्था है। हमें राम व सीता के चरित्र को अपने जीवन में उतारने का प्रयास करना चाहिये तथा एक मर्यादित जीवन जीना चाहिये। ज्ञातव्य है कि छत्तीसगढ़ में राम से सम्बन्धित अनेक स्थल हैं।

राज्य स्तरीय जूनियर तीरंदाजी चैंपियनशिप, धौलपुर

कुमावत खिलाडियों ने जीते पदक

खुशी कुमावत पुत्री सांवरमल कुमावत जोबनेर एवं **महेश कुमावत** पुत्र गोविंद राम कुमावत निवासी माछरखानी जोबनेर ने जूनियर तीरंदाजी चैंपियनशिप, धौलपुर में पदक जीते। इनका राष्ट्रीय स्तर के लिए चयन किया गया।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से बहुत-बहुत बधाई व शुभकामनाएं।

पत्रकार मोना कुमावत को विश्व शांति सम्मान से नवाजा गया

जयपुर के निकट ग्राम पंचायत अणतपुरा के निवासी पत्रकार मोना कुमावत को शांति दिवस 21 सितंबर को हिन्दु राष्ट्र निर्माण सेना के संरक्षक स्व. सी एल थवाईल की स्मृति में विश्व शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया। ज्ञात हो की यह सम्मान समाजसेवा, पत्रकारिता एवं अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रदान किया जाता है। इस अवसर पर हिन्दु राष्ट्र निर्माण सेना के संस्थापक - साधु साहेब, लोकपाल - संध्या अग्रवाल, सेनाध्यक्ष - महंत विभा मुनि उदासीन एवं युवा सेना अध्यक्ष पण्डित तरुण भराला तथा क्षेत्रवासियों द्वारा बधाई दी गयी।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से भी मोना कुमावत को हार्दिक बधाई।

कुमावत युवा मण्डल सवाईमाधोपुर के चुनाव सम्पन्न

1 अक्टूबर, 2022 को कुमावत युवा मण्डल, सवाईमाधोपुर के चुनाव, मदनमोहन जी के मंदिर में चुनाव अधिकारी श्री विष्णु दोरया ने सम्पन्न कराये। जिसमें दिनेश उदैवाल अध्यक्ष, जगमोहन जालवाल उपाध्यक्ष, पवन देतवाल मंत्री, हरिश देतवाल कोषाध्यक्ष तथा दीपू जालवाल प्रचार मंत्री निर्वाचित हुए। इस अवसर पर कुमावत समाज के पदाधिकारीगण, युवा मण्डल के सदस्य तथा कुमावत क्षत्रिय महासभा के अध्यक्ष बेनी प्रसाद सिरोठा उपस्थित थे।

सामाजिक एकता गायत्री यज्ञ एवं कुमावत समाज मेवाड़ एकता संगोष्ठी आयोजित

अखंड क्षत्रिय कुमावत समाज मेवाड़ का ऐतिहासिक प्रथम सर्व चौकी चौखला प्रतिनिधि महासम्मेलन का आगाज मातृकुंडिया में कुमावत समाज चार चौखला के सत्यनारायण भगवान मंदिर प्रांगण में सामाजिक एकता गायत्री यज्ञ एवं कुमावत समाज मेवाड़ एकता संगोष्ठी आयोजन के साथ हुआ। जिसमें संपूर्ण कुमावत समाज के प्रतिनिधियों ने **सर्व सम्मति से कुमावत समाज मेवाड़ की एक जाजम बनाने का प्रस्ताव पारित किया और 125 सदस्यों को चयनित करके मेवाड़ कुमावत समाज में अभूतपूर्व ऐतिहासिक पहल की,** जिसमें मेवाड़ के नाथद्वारा, राजसमंद, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़ प्रतापगढ़, निम्बाहेड़ा और उदयपुर के चौकी चौखला प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि क्षत्रिय कुमावत समाज एक प्रगतिशील, सामाजिक कुरीतियां को त्याग कर निरंतर सामाजिक सुधार करने वाला, राजपूतों की वह शाखा है, जिसके पूर्वजों ने मांसाहार, मद्यपान आदि कुप्रथाओं को निषेध करते हुए क्षत्रिय धर्म को नहीं छोड़ा और सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण किलों, महलों, मंदिरों एवम अद्भुत स्थापत्य शिल्प निर्माणों के साथ ही युद्ध कौशल, चित्रकारी, मूर्ति कला, भवन निर्माण, पुल सड़क निर्माण, कृषि सहित व्यवसायिक कार्यों में भी दक्षता से कार्य करते हुए स्वावलंबन के साथ अपनी राष्ट्रीय सामाजिक निर्माता की पहचान बनाई। आज संपूर्ण भारत में कुमावत समाज के लोग निवास कर रहे है। अब मेवाड़ कुमावत समाज जागृति के साथ एकजुट हुआ है और स्वतंत्र रूप से अपना राजनैतिक समर्थन केवल उन्हीं पार्टियों को देगा जो समाज को प्रतिनिधित्व और आत्म सम्मान देगी।

अखण्ड ज्योत यात्रा मित्र मंडल के एडवोकेट भरत बबेरीवाल, घनश्याम पटवा, बालूलाल कुंडलवाल, भंवर लाल देवाल, गणेश लाल पत्रकार, महेंद्र अजमेरा, नारायण आदि का इस अवसर पर सम्मान किया गया।

महासम्मेलन की अध्यक्षता प्रभु श्रीराम से करवाई गई तथा मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष युधिष्ठिर कुमावत थे। साथ ही रणपछोर चौकी अध्यक्ष सुन्दर लाल दोराया, मंत्री नारायण लाल पडियार, बामणिया चौकी से कालूराम साथीजी, मांगी लाल जी सुखाया, राम चन्द्र बातरा, मुरलीधर हीरालाल, चित्तौड़गढ़ से विकास संस्थान के अध्यक्ष बालकिशन गेंडर, महामंत्री राजकुमार बैरा, महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गोपाल ओस्तवाल, राष्ट्रीय जन गणना मंत्री घनश्याम लाल घटेलवाल, मीडिया प्रभारी संदीप घोडेला, महासभा के राष्ट्रीय प्रतिनिधि पन्नालाल इंठारा, जयदीप शिक्षण संस्थान निर्देशक डॉ. देवेंद्र इंठारा, चौखले के गोपाल पनोतया, मंदारया चौकी के लक्ष्मीलाल, बंसीलाल, भैरू लाल भदानिया, फतह लाल, महादेव गलवा चौकी के सोहन लाल, मांगी लाल, राम लाल, बागोलिया चौखला के उपाध्यक्ष एवं पूर्व सरपंच भंवर लाल देवाल, पंचायत समिति सदस्य राधेश्याम घोड़ाया, चिकसि के गोपाल दंबीवाल, अनिल, निम्बाहेड़ा 11 गांव चौखला के सत्यनारायण, उदयलाल, नाथद्वारा से पूर्व कीर्तनिया समाज अध्यक्ष मोती लाल मंडलियां, देवाली पंचायत अध्यक्ष भागचंद बातरा, मण्डी पंचायत अध्यक्ष महेंद्र निगसवाल, पूर्व नवयुवक मण्डल अध्यक्ष परमानंद नंगरिया, शिक्षक मनोज नंगारिया, जितेंद्र तुनीवाल, मेवाड़ के सभी जिलों से समाज के प्रशासनिक अधिकारी, पंचायत समिति सदस्य, पंच-सरपंचों, शिक्षा अधिकारी, शिक्षक, ग्राम पंचायत पंचायतों के पंच पटेल, नवयुवक, मातृशक्ति सहित समाज के वरिष्ठ प्रबुद्धजन उपस्थित थे।

संयोजक भरत कुमावत ने बताया की **महासम्मेलन में कुमावत समाज के इतिहास में पहली बार मेवाड़ के सभी चौकी चोखलो के प्रतिनिधि एक साथ एक जाजम मातृकुंडिया में इकट्ठा हुए।** सामाजिक एकता यज्ञ योगाचार्य घनश्याम पटवा के विशिष्ट सानिध्य में हुआ, जिसमें मुख्य जजमान के रूप में बनास का ढाबा चौकी के रामचंद्र जी बामणिया, कला चौकी के कालू लाल जी, बागोलिया चौकले के उपाध्यक्ष भंवरलाल देवाल, नाथद्वारा के गणेश लाल पत्रकार, सूरजपोल समाज के उपाध्यक्ष डूंगर सिंह, तानावती चौकी के अध्यक्ष पुष्कर लाल, सर्वमंगला सहकारी महिला समिति की चंदा कुमावत सहित मेवाड़ समाज के गणमान्य प्रतिनिधियों ने सामाजिक एकता यज्ञ किया। समाज के युवा पत्रकार राहुल जी भीलवाड़ा और भेरूलाल जी जलवनिया आमेट का पूरे महासम्मेलन में विशेष सहयोग और भूमिका रही।

मुकेश वर्मा पुनः पीसीसी सचिव नियुक्त

श्री मुकेश वर्मा को पुनः राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी का सचिव नियुक्त किया गया है। श्री मुकेश वर्मा ने कांग्रेस की लगभग 20 वर्षों से निष्ठापूर्वक सेवा की है। आप मिलनसार तथा ईमानदार युवा नेता के रूप में अलग ही पहचान रखते हैं। कुमावत समाज के किसी भी कार्य में बढ़चढ़कर सहयोग करते हैं। आपको गुजरात, महाराष्ट्र आदि प्रदेशों में भी चुनाव प्रभारी बनाकर भेजा गया, जहां आपने अपने कार्य एवं व्यवहार से अच्छे परिणाम दिलाने में कोई कसर नहीं रखी।

5 दिवसीय पर्व- दीपावली

सनातन परंपरा में प्रत्येक दिन कोई न कोई पर्व या व्रत को लिये होता है। कार्तिक मास में तो पर्वों की झड़ी सी लग जाती है। दीपावली से जुड़े पांच पर्व अपने साथ सुख-समृद्धि, आरोग्यता, प्रेम और स्नेह को समेटे हुए है। धनतेरस से प्रारंभ होकर पावन पर्व नरक चतुर्दशी, दीपावली महापर्व, गोवर्धन पूजा से होते हुए भाई और बहन के प्रेम का प्रतीक माने जाने वाले भाई दूज पर जाकर समाप्त होता है। आस्था और विश्वास के इन पांच दिनों में अलग-अलग देवी-देवताओं के लिए अलग-अलग समय पर अलग-अलग प्रकार से पूजा करके सुख-समृद्धि और संपन्नता का आशीर्वाद लिया जाता है।

पहला दिन धनतेरस : धनतेरस दीपावली के पांच दिनी महापर्व की शुरुआत धनतेरस से होती है। इसे धन त्रयोदशी भी कहते हैं। धनतेरस के दिन मृत्यु के देवता यमराज, धन के देवता कुबेर और आयुर्वेदाचार्य धन्वंतरि की पूजा का विशेष महत्व है। मान्यता है कि इसी दिन समुद्र मंथन में भगवान धन्वंतरि अमृत कलश के साथ प्रकट हुए और उनके साथ आभूषण व बहुमूल्य रत्न भी प्राप्त हुआ था। तभी से इस दिन का नाम 'धनतेरस' पड़ा और इस दिन बर्तन, धातु व आभूषण खरीदने की परंपरा शुरू हुई। सायं 5 दीपक जलाना प्रारम्भ किया जाता है।

दूसरा दिन रूप चौदस/छोटी दीपावली: नरक चतुर्दशी दीपावली महापर्व का यह दूसरा दिन होता है। जिसे छोटी दिपावली भी कहा जाता है। शाम के समय दरवाजे पर दीपक जलाया जाता है। यह दीप यमराज को समर्पित किया जाता है। मान्यता है कि हनुमान जी का जन्म कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी को हुआ था, इसलिए भक्त इस दिन विधि-विधान से उनकी जयंती मनाते हैं। यह भी मान्यता है कि इस दिन भगवान श्रीकृष्ण ने नरकासुर का वध करके 16,100 कन्याओं को उसके चंगुल से मुक्त कराया था। इस पर्व को रूप चौदस भी कहते हैं। ऐसी मान्यता है कि इस दिन सुबह जल्दी उठकर उबटन लगाकर स्नान करने से सौंदर्य में वृद्धि होती है।

तीसरा दिन दीपावली : तीसरे दिन को 'दीपावली' कहा जाता है, यह मुख्य पर्व होता है। दीपावली का पर्व विशेष रूप से मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है। इस दिन हर घर-परिवार, कार्यालय में लक्ष्मी पूजन की जाती है। दीवाली के दिन गृहस्थ और व्यवसायिक वर्ग के लोग धन की देवी लक्ष्मी से समृद्धि की कामना करते है। मान्यता है कि इस दिन भगवान राम, माता सीता और भाई लक्ष्मण के साथ 14 वर्षों का वनवास समाप्त कर घर लौटे थे। ऐसे में श्रीराम के स्वागत के लिए उस वक्त अयोध्यावासियों ने घर-घर दीप जलाकर नगर को आभायुक्त कर दिया था। तभी दीपावली के दिन दीप जलाने की परंपरा चली आ रही है। एक दूसरी मान्यता के अनुसार कार्तिक माह की अमावस्या को ही समुद्र मंथन से मां लक्ष्मी प्रकट हुई थीं. जिन्हें धन, वैभव, ऐश्वर्य और सुख समृद्धि की देवी माता जाता है। इस दिन मां लक्ष्मी के स्वागत के लिए दीप जलाए जाते हैं ताकि अमावस्या की रात के अंधकार में दीपों से क्षेत्र रोशन हो जाए।

चौथे दिन गोवर्धन पूजा/अन्नकूट : दीपावली के अगले दिन गोवर्धन पूजा का पावन पर्व मनाया जाता है। इस दिन घर के पालतू पशु यथा बैल, गाय, बकरी आदि अन्य पशुओं को स्नान कराकर सजाया जाता है। फिर घर के आंगन में गोबर से गोवर्धन बनाए जाते हैं और उनका पूजन कर पकवानों का भोग लगाया जाता है। मान्यता है कि त्रेतायुग में जब इन्द्रदेव ने गोकुलवासियों से नाराज होकर मूसलधार बारिश शुरू कर दी थी तो भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी छोटी अंगुली पर गोवर्धन पर्वत उठाकर गोकुलवासियों की रक्षा की थी। उसी समय से इस दिन गोवर्धन पूजन की परंपरा चली आ रही है।

पांचवां दिन भाई दूज : इस दिन को भाई दूज और यम द्वितीया कहा जाता है। भाई दूज पांच दिवसीय दीपावली महापर्व का अंतिम दिन होता है, भाई दूज का पर्व भाई बहन के रिश्ते को प्रगाढ़ बनाने और भाई की लंबी उम्र के लिए मनाया जाता है, रक्षाबंधन के दिन भाई अपनी बहन को अपने घर बुलाता है जबकि भाई दूज पर बहन अपने भाई को अपने घर बुलाकर उसे तिलक कर भोजन कराती है और उसकी लंबी उम्र की कामना करती हैं। इस दिन को लेकर मान्यता है कि यमराज अपनी बहन यमुनाजी से मिलने के लिए उनके घर आए थे और यमुनाजी ने उन्हें प्रेमपूर्वक भोजन कराया एवं यह वचन लिया कि इस दिन हर साल वे अपनी बहन के घर भोजन के लिए पधारेंगे साथ ही जो बहन इस दिन अपने भाई को आमंत्रित कर तिलक करके भोजन कराएगी, उसके भाई की उम्र लंबी होगी। तब से भाई दूज की परंपरा चली आ रही है।

दीपावली का पर्व पूर्ण हर्षोल्लास के साथ मनायें। लेकिन दीपावली के मनाने की सार्थकता तभी सिद्ध होगी जब लोग इस पर्व पर गलत कार्यों का त्यागकर सद्मार्ग पर चलने का प्रण लें। साथ ही यह भी संकल्प लें कि घर-प्रतिष्ठान में साफ-सफाई के साथ-साथ गली-मोहल्ले, शहर, प्रदेश एवं देश में गंदगी नहीं फैलाएं और कूड़ा-करकट कूडेदान में ही डालें।

- जयसिंह कुमावत
सह सम्पादक, 'कुमावत इंडिया' पत्रिका मो. 9461343432

जब साहूकार की बेटी ने लक्ष्मीजी को दिया न्योता

एक साहूकार की बेटी रोज पीपल के वृक्ष में जल अर्पण किया करती थी। एक दिन प्रसन्न होकर लक्ष्मी माता ने साक्षात प्रकट होकर उसे दर्शन दिये और साहूकार की बेटी से मित्रता करने की बात कही। साहूकार की बेटी ने मित्रता करने से पूर्व अपने पिता से अनुमति लेने की बात कही। साहूकार की बेटी घर आती है और सारी घटना अपने पिता को सुनाती है।

साहूकार अपनी बेटी से कहते हैं-यदि तुम्हारी मित्र स्वयं लक्ष्मी जी बने तो इससे उत्तम और कुछ नहीं। अगले दिन साहूकार की बेटी पीपल को जल अर्पण करके लक्ष्मी जी की मित्र बन जाती हैं। लक्ष्मी जी एक दिन साहूकार की बेटी को अपने घर भोजन पर आमंत्रण करती है। साहूकार की बेटी लक्ष्मी माता के घर जाती हैं वहां साहूकार की बेटी को स्वर्ण का आसन पर बैठाती है। लक्ष्मी जी साहूकार की बेटी का आतिथ्य करती है और सोने के थाली में भोजन कराती हैं।

इस प्रकार के अभूतपूर्व आतिथ्य-सत्कार से साहूकार की बेटी प्रसन्न होती हैं, और साहूकार की बेटी यह कहकर विदा लेती है कि अब आपको मेरे घर आतिथ्य ग्रहण करना होगा। वह अपने घर आकर उदास मन से बैठ जाती हैं।

पिता ने कारण जानना चाहा तो साहूकार की बेटी अतिथि-सत्कार का विवरण पिता के सामने रख देती हैं, और यह कहती है कि मैं लक्ष्मी जी को कैसे निमंत्रण करूं, उनका कैसे आवभगत करूँ? साहूकार अपनी बेटी को दिलासा देता है, जितना हमारा सामर्थ होगा हम अपने सामर्थ्य के अनुसार लक्ष्मी जी का आतिथ्य सत्कार करेंगे।

अगले दिन एक चील नौलखा हार लेकर उड़ी जा रही थी। अचानक उसकी चौंच से वह नौलखा हार छूट जाता है, और साहूकार की बेटी के पास आ गिरता है। हार पाकर साहूकार की बेटी की प्रसन्नता का ठिकाना नहीं रहता। साहूकार की बेटी उस नौ लक्खा हार को बेचकर लक्ष्मी जी के आतिथ्य सत्कार की तैयारी करती है तथा माता लक्ष्मी तथा गणेश को अपने घर आने का निमंत्रण देती हैं। निमंत्रण पाकर माता गणेश जी के साथ साहूकार के यहाँ जाने को निकलती है। आगे आगे गणेश जी, पीछे से लक्ष्मी जी, साहूकार के घर प्रवेश करती हैं।

साहूकार व उसकी पुत्री दोनों अतिथि का हृदय से स्वागत करते हैं, उन्हें बैठने के लिए आसन दिया जाता है। वह दोनों आसन पर विराजमान होते हैं और साहूकार की बेटी द्वारा बनाए गए व्यंजन का भोग गणेश जी तथा लक्ष्मी जी को लगाते हैं। जब लक्ष्मी और गणेश जी अतिथि-सत्कार ग्रहण कर विदा मांगते हैं तो साहूकार की बेटी यह कहते हुए उन्हें रोकती है कि, मैं अभी बाहर जा रही हूं वहां से आऊंगी तब आप हमारे घर से विदा लेना।

इतना कहकर साहूकार की बेटी बाहर चली जाती है, फिर वह लौटकर घर नहीं आती। लक्ष्मी जी चौकी पर बैठी इंतजार करती रही। लक्ष्मी और गणेश जी साहूकार के घर सदैव के लिए निवास करते हैं। हे मां।

लक्ष्मी जिस प्रकार आपने साहूकार की बेटी का आतिथ्य स्वीकार करके भोजन किया और उसे धनवान बनाया। उसी प्रकार हमारा भी आमंत्रण स्वीकार करके हमारे घर पधारें और हमें धन धान्य से परिपूर्ण करें। पूरे विश्व में शांति रहे। **- सोनम कुमावत**

ऐसे करें दीपावली की सफाइयां

हिन्दुओं का प्रमुख त्योहार दीपावली का शुभारम्भ दीपावली से कई दिन पूर्व ही मान लिया जाता है। जब से इस पर्व पर घर में लक्ष्मी के आगमन हेतु पूरे घर को साफ-सुथरा व पवित्र करना आरंभ हो जाता है। हो भी क्यों नहीं, क्योंकि यही एक मात्र त्योहार है जब कोई भी घर, दुकान, कार्यालय आदि साफ-सफाई से अछूता नहीं रहता।

घर स्वच्छ होने से मन भी खुश हो जाता है तथा हमें हल्कापन महसूस होता है कि घर की गदंगी अर्थात व्यर्थ का सामान जो अनुपयोगी था वह बाहर चला गया। इसके बदले घर पर कोई न कोई नई वस्तु अवश्य लाते हैं जो हमारे घर के लिए शुभ व मंगल का प्रतीक होती है। यह तो हुई हमारी भौतिक साफ-सफाई की बात, तो क्यों न हम ध्यान दें उस सफाई का जो हमें चिर आनंद का अनुभव कराए और हमारे मन की मलीनता को समाप्त कर दे। **दीपावली पर दीप प्रज्ज्वलन प्रतीक है अंधेरे से उजाले की ओर बढ़ने का, अंधेरा प्रतीक है डर का। तो सर्वप्रथम हमें मन से डर को दूर करना चाहिए।** भगवान राम, रावण रूपी बुराई से लड़कर और विजय प्राप्त कर अयोध्या लौटे थे तो हमें भी हमारे मन से हर बुराई जैसे-झूठ, ईर्ष्या, द्वेष, हिंसा आदि नकारात्मक भावनाओं को दूर करके मन पर विजय पाने की चेष्टा करनी चाहिए। वनवास जाते समय भगवान सिर्फ 'राम' थे किन्तु जब वे लौटे तो वे **'मर्यादा पुरुषोत्तम राम'** कहलाए। क्योंकि उन्होंने अपने माता-पिता, भाई-बंधु, दलित, शोषित, शापित और पराजित वर्ग यहां तक की अपने शत्रुओं के साथ भी हमेशा अपनी मर्यादा में बंधे रहे, इसलिए वो जन-जन के प्रिय हो गये। तो हमें भी इस दिवाली के पर्व पर अपने शुभ-मंगल के प्रतीक के रूप में अच्छाइयां हमारे मन मंदिर में अवश्य ही लानी चाहिए ताकि हमारे भौतिक घर की तरह हमारा मन भी निर्मल बन जाए। हम कोशिश करें कि अपने अन्दर जीवों के प्रति दया, करुणा, सहानुभूति व परोपकार, क्षमाशीलता अवश्य हो और हम इस दिवाली को स्वच्छ, स्वस्थ तथा निर्मल मन से मनाएं। सभी को दीपावली की शुभकामनाएं। **-भारती तोंदवाल**

रोचक जानकारी

लक्ष्मी संग क्यों पूजे जाते हैं श्री गणेश
क्यों मां लक्ष्मी विराजती हैं भगवान गणेश के दाहिनी ओर

इस बार 24 अक्टूबर 2022, सोमवार को दिवाली मनाई जाएगी। दीपावली पर्व हिन्दू समुदाय में तो विशेष रूप से लोकप्रिय है ही, अन्य समुदायों में भी इसकी लोकप्रियता कम नहीं है। ऐसे अनेक प्रमाण मिले हैं कि दीपावली का त्यौहार ईसा पूर्व के बहुत पहले से ही मनाया जाता रहा है। पुरातत्वविदों को मिले करीब 500 ईसा वर्ष पूर्व की मोहनजोदड़ो सभ्यता के अवशेषों में मिट्टी की ऐसी मूर्तियां मिली हैं, जिनमें मातृ देवी के दोनों ओर दीप प्रज्जवलित होते दर्शाए गए हैं। इससे यह संकेत मिलता है कि उस दौरान भी दीपोत्सव मनाया जाता था और देवी लक्ष्मी का पूजन किया जाता था।

इसलिए की जाती है लक्ष्मी जी के साथ गणेश जी की पूजा–धार्मिक मान्यताओं के अनुसार मां लक्ष्मी धन के देवी हैं। उन्हीं की कृपा से संसार के मनुष्यों को धन–दौलत की प्राप्ति होती है, लेकिन मां लक्ष्मी की उत्पत्ति जल से होने के कारण वे एक स्थान पर नहीं ठहरती हैं। लक्ष्मी जी को संभालने के लिए बुद्धि की आवश्यकता होती है और गणेश जी को बुद्धि के देवता कहा गया है, इसलिए लक्ष्मी जी के साथ गणेश जी का पूजन किया जाता है। कहा जाता है कि यदि मनुष्य को अधिक लक्ष्मी यानी अत्यधिक धन की प्राप्ति हो जाए तो वह चकाचौंध में खो जाता है ऐसे में वह बुद्धि से काम ले इसलिए लक्ष्मी जी के साथ गणेश जी का पूजन करने का विधान है।

दूसरी मान्यता यह है कि भगवान विष्णु चार महीने के लिए सुसुप्त अवस्था में होते हैं। दीपावली के ठीक 11 दिन बाद वे देवउठनी एकादशी को जागते हैं और इसी दिन से मांगलिक कार्य भी शुरू हो जाते हैं। इसलिए उनको निद्रा से नहीं जगाया जाता है। वहीं भगवान गणेश को शुभ कार्यों के लिए बिना किसी विघ्न के कार्य को संपन्न कर देने वाला माना जाता है। जिसके चलते लक्ष्मी जी और भगवान गणेश की पूजा एक साथ होती है। ताकि हर तरह से संपन्न ता मिले।

क्यों गणेश जी के दाहिनी ओर विराजती हैं मां लक्ष्मी–पौराणिक कथा के अनुसार एक बार लक्ष्मी जी को स्वयं पर अभिमान हो गया कि धन प्राप्ति के लिए सारा संसार उनकी पूजा करता है और उन्हें पाने के लिए लालायित रहता है। भगवान विष्णु उनकी यह भावना को ज्ञात हो गई। मां लक्ष्मी का अंहकार दूर करने हेतु भगवान विष्णु ने माता लक्ष्मी से कहा कि ''देवी भले ही सारा संसार आपकी पूजन करता है और आपको पाने के लिए व्याकुल रहता है आप अभी तक अपूर्ण हैं।''

यह बात सुनने के बाद माता लक्ष्मी ने जिज्ञासावश विष्णु जी से अपनी कमी के बारे में पूछा, तब विष्णु जी ने उनसे कहा कि ''जब तक कोई स्त्री मां नहीं बनती तब तक वह पूर्णता को प्राप्त नहीं करती। आप नि:सन्तान होने के कारण अपूर्ण है।''

माता लक्ष्मी को इस बात से अत्यंत दु:ख हुआ और उन्होंने अपनी सखी पार्वती को अपनी पीड़ा बताई। जिसके बाद माता लक्ष्मी का दु:ख दूर करने के उद्देश्य से पार्वती जी ने अपने पुत्र गणेश को उन्हें गोद दे दिया। तभी से भगवान गणेश माता लक्ष्मी के 'दत्तक–पुत्र' कहलाए। गणेश जी को पुत्र रूप में प्राप्त करके माता लक्ष्मी अतिप्रसन्न हुई और उन्होंने गणेश जी को यह वरदान दिया कि जो भी मेरी पूजा के साथ तुम्हारी पूजा करेगा मैं उसके यहां वास करूंगी। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इसलिए लक्ष्मी जी के साथ उनके 'दत्तक–पुत्र' भगवान गणेश की पूजा की जाती है। क्योंकि माता सदैव अपने पुत्र के दाहिनी ओर विराजती है। यही कारण है कि मां लक्ष्मी गणेश जी के दाहिनी ओर विराजती हैं।

कैसे बना उल्लू, धन–वैभव की देवी लक्ष्मी का वाहन–धार्मिक ग्रंथों से ज्ञात होता है कि सनातन धर्म के सभी देवी–देवताओं ने वाहन के रूप में पशु–पक्षियों का चुनाव किया है। इसके पीछे कई प्रचलित कथाएं हैं। कहा जाता है कि प्राणी जगत की संरचना करने के बाद एक रोज सभी देवी–देवता धरती पर विचरण करने के लिए आए। तब पशु–पक्षियों ने कहा कि हमें वाहन के रूप में चुनें और हमें कृतार्थ करें।

वहीं लक्ष्मीजी असमंजस में पड़ गई किसे अपना वाहन चुनें। लक्ष्मी जब वाहन चुनने में विचार–विमर्श कर रहीं थी तब अन्य पशु–पक्षियों में लड़ाई होने लगी। इस पर लक्ष्मीजी ने सभी को शांत कराया और कहा कि प्रत्येक वर्ष कार्तिक अमावस्या के दिन मैं पृथ्वी पर विचरण करने आती हूं। उस दिन मैं आप में से किसी एक को अपना वाहन बनाऊंगी।

कार्तिक अमावस्या के दिन सभी पशु–पक्षी आंखे बिछाए लक्ष्मीजी की राह निहारने लगे। रात्रि में जैसे ही लक्ष्मीजी धरती पर पधारी उल्लू ने अंधेरे में अपनी नजरों से उन्हें देख लिया और उनके समीप पहुंच गया। इसके बाद प्रार्थना कि आप मुझे अपना वाहन स्वीकार करें। तब लक्ष्मीजी ने खुशी–खुशी उसे अपना वाहन स्वीकार कर लिया।

स्वामिनी सेवा संस्था

की ओर से

दीपोत्सव पर्व की हार्दिक शुभकामनाएँ

1 नवम्बर

चेतनजी कुमावत

जिलाध्यक्ष, भाजपा ओबीसी मोर्चा, जयपुर शहर

को

जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

आओ मिलकर जरूरतमंदों की सेवा करें।

अशोक कुमावत
अध्यक्ष
9352070394

गोविन्द वर्मा
मंत्री
9001905456

गुरुदयाल वर्मा
कोषाध्यक्ष
9314246781

महेन्द्र कुमावत
सहायक मंत्री
9460071867

Swamini Sewa Sanstha

Swamini Sewa Sanstha
A/C No. 6113247509,
IFSC Code-KKBK0003544
Kotak Mahindra Bank

31, कुमावत कॉलोनी, ईएसआई हॉस्पिटल के सामने, कुमावत स्कूल के पीछे, सोडाला, जयपुर

चेतनजी धुंधारिया

जिलाध्यक्ष, भाजपा ओबीसी मोर्चा, जयपुर शहर
संस्थापक टीम चेतन धुंधारिया

को

जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

1 नवम्बर

शुभेच्छु :

जयसिंह गुडीवाल
जिला मंत्री, भाजपा ओबीसी मोर्चा,
जयपुर शहर मो. : 9461343432

खेमचंद खड़गटा
उप-कोषाध्यक्ष, कुमावत इंडिया पत्रिका
मो. : 9829140629

राकेश कुमावत
एडवोकेट, राजस्थान उच्च न्यायालय, जयपुर
मो. 9829152561

दीपोत्सव की बेला पर अखण्ड कुमावत समाजबंधुओं का नूतन अभिनंदन

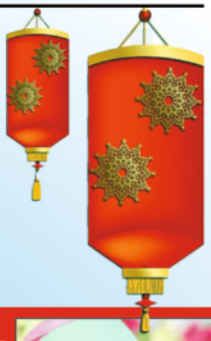

अनुपम ऑडियो एण्ड विजन

न्यू बस स्टेण्ड के पास,
छावनी रोड, टोंक (राजस्थान)

प्रोपराइटर :धरमवीर कुमावत 9414204127

अनुपम एयरकॉन

जहाजपुर रोड, थाने के पीछे,
गुरुनानक मार्केट, देवली टोंक (राजस्थान)

प्रोपराइटर : विष्णु कुमावत 9414348327

अनुपम रेफ्रिजरेशन

हॉस्पिटल रोड,
टोंक (राजस्थान)

प्रोपराइटर :बनवारीलाल कुमावत 9414348577

अनुपम इलेक्ट्रानिक्स एण्ड फर्नीचर

सीएल टॉवर के पास, न्यू बस स्टेण्ड,
टोंक (राजस्थान)

प्रोपराइटर : अंकुर कुमावत 9214006500

VOLTAS TCL Whirlpool CORPORATION SONY

मिहिर इंटरप्राइजेज

सीएल टॉवर के पास, न्यू बस स्टेण्ड,
टोंक (राजस्थान)

प्रोपराइटर : मिहिर कुमावत 9057696736

रास घूमर का आयोजन : गरबे की रिदम पर थिरके कदम

मां की आराधना के पर्व नवरात्रि में पूजा, आराधना के साथ गरबा खेलने की परम्परा है। **कुमावत क्षत्रिय महिला विकास संस्था** द्वारा शरद पूर्णिमा के अवसर पर रास घूमर कुमावत स्कूल, सोडाला के प्रागंण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में डांडिया से पहले रास घूमर का आयोजन हुआ। जिसमें कुमावत क्षत्रिय महिला विकास संस्था की पदाधिकारी,सदस्य व समाज की महिलाओं ने भाग ने लिया और घूमर नृत्य की प्रस्तुति दी। जगमगाती दुधिया रोशनी में रंग-बिरंगी पारंपरिक लिबास में जमकर घूमर नृत्य किया गया। मंच संचालन श्रीमती भारती तोंदवाल ने किया। समाजसेविका व संस्था की वरिष्ठ संरक्षिका श्रीमती उमा कछवाह ने रास में नृत्य कर दर्शकों की तालियां बटोरी।

कुमावत क्षत्रिय महिला विकास संस्था विगत 10 वर्षों से इस तरह के विशाल आयोजन कर रही है। **म्हारी घूमर छै नखराली ए मां...** गाने पर अध्यक्षा कमलेश घोडेला, महामंत्री सुनीता नांदीवाल, संयोजिका एवं सांस्कृतिक मंत्री माया घोडेला, कोषाध्यक्ष शोभा खोवाल व उप संयोजिका रेणु कुण्डलवाल ने अपनी इस प्रस्तुति से उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। **घूमर रमवा म्है जास्या...** पर पूनम कुदीवाल के नृत्य ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिये।

कार्यक्रम में अतिथि राजेश कुमावत पार्षद मूलचंद कुमावत (भोला), रमेश गैदर अध्यक्ष कुमावत इंडिया पत्रिका, जयसिंह कुमावत जिला मंत्री भाजपा ओबीसी मोर्चा जयपुर शहर, भागचंद बैरा तथा शंकरलाल मामोडिया मौजूद रहे ।

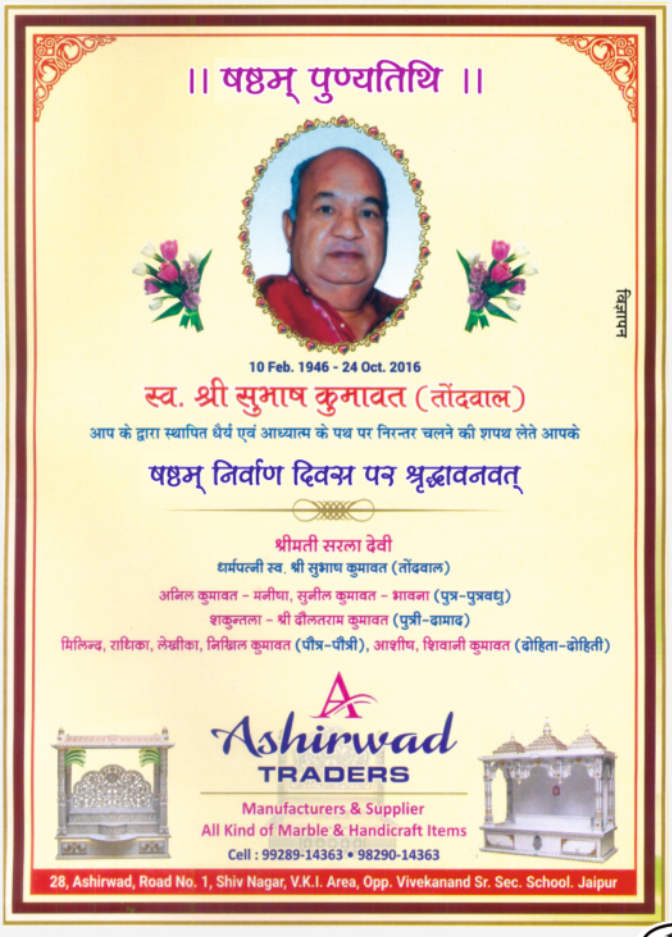

Subhkaran G. Kirodiwal
Mob. : 9898097444

Ashutosh S. Kirodiwal
8758021222

GENIUS INTERNATIONAL

AMBICA DEVELOPERS

GENIUS TEXTILES

901 to 906, 9th Floor, Opp. Shivanjali Row House Patel Wadi No. 3, Lal Darwaja, Surat-395004

दीपावली मनाने के पीछे मान्यताएं व साक्ष्य

दीपावली, आध्यात्मिक अन्धकार पर आन्तरिक प्रकाश, अज्ञान पर ज्ञान, असत्य पर सत्य और बुराई पर अच्छाई का उत्सव है। धार्मिक कारणों से ही नहीं बल्कि वैज्ञानिक दृष्टि से भी अहम है। ज्यादातर लोग इस दिन घर की पूरी सफाई और रंगाई करते हैं जिससे जहां पूरे साल सफाई नहीं होती वहां भी सफाई हो जाती है।

दीपावली एवं दीप जलाने की प्रथा के पीछे अलग-अलग मान्यताऐं, कारण तथा कहानियाँ हैं इनसे जुड़े प्रसंग का वर्णन निम्न प्रकार है:-

राम- इस दिन अयोध्या के राजा राम, लंका के अत्याचारी राजा रावण का वध करके अयोध्या लौटे थे। उनके लौटने कि खुशी में अयोध्यावासियों ने दीप जलाये गये थे।

कृष्ण- इस दिन भगवान श्री कृष्ण ने अत्याचारी राजा नरकासुर का वध किया था। इस नृशंस राक्षस के वध से जनता में अपार हर्ष फैल गया और प्रसन्नता से भरे लोगों ने घी के दीए जलाए थे।

लक्ष्मी- इस दिन समुद्रमंथन के पश्चात लक्ष्मी व धन्वंतरि प्रकट हुए। कार्तिक मास की अमावस्या के दिन ही माता लक्ष्मी समुद्रमंथन के पश्चात क्षीर सागर से प्रकट हुई थीं। इसलिए इस दिन लोग घरों को सजाते हैं और मां लक्ष्मी का स्वागत कर उनकी पूजा की जाती है। माना जाता है कि दिवाली की रात लक्ष्मी-विष्णु विवाह भी हुआ था।

जैन-जैन समाज द्वारा अंतिम तीर्थंकर **महावीर स्वामी के निर्वाण दिवस** के रूप में दीपावली मनाई जाती है। महावीर स्वामी को कार्तिक अमावस्या को मोक्ष की प्राप्ति हुई थी। इसी दिन संध्याकाल में उनके प्रथम शिष्य **गौतम गणधर को केवल ज्ञान की प्राप्ति** हुई थी।

सिक्ख- इस दिन अमृतसर में वर्ष 1577 में स्वर्ण मन्दिर का शिलान्यास हुआ था। इसके अलावा वर्ष 1619 में दीपावली के दिन सिक्खों के छठे गुरु हरगोबिन्द सिंह जी को जेल से रिहा किया गया था।

स्वामी रामतीर्थ - पंजाब में जन्मे स्वामी रामतीर्थ का जन्म व महाप्रयाण दोनों दीपावली के दिन ही हुए ।

महर्षि दयानन्द- भारतीय संस्कृति के महर्षि दयानन्द महान जननायक बनकर दीपावली के दिन अजमेर के निकट अवसान लिया।

महाकाली- बंगाल एवं उड़ीसा में इस दिन माता शक्ति के रूप में महाकाली का रूप धारण किया गया था और इस दिन लक्ष्मी जी के स्थान पर यहाँ माँ काली की पूजा की जाती है।

राजा विक्रमादित्य- भारत के महान शासकों में से एक थे। अपनी बुद्धि, पराक्रम और जुनून से इन्होंने आर्यावर्त के इतिहास में अपना नाम अमर किया था। राजा विक्रमादित्य अंतिम हिंदू राजा थे। इतिहासकारों के मुताबिक इसी कार्तिक मास की अमावस्या तिथि को उनका राज तिलक हुआ था।

साक्ष्य

7वीं शताब्दी के संस्कृत नाटक नागनंद में **राजा हर्ष** ने इसे दीपप्रतिपादुत्सव: कहा है जिसमें दीये जलाये जाते थे और नव वर-बधू को उपहार दिए जाते थे। 9वीं शताब्दी में **राजशेखर** ने काव्यमीमांसा में इसे दीपमालिका कहा है जिसमें घरों की पुताई की जाती थी और तेल के दीयों से रात में घरों, सड़कों और बाजारों सजाया जाता था। फारसी यात्री और इतिहासकार **अल बरुनी**, ने भारत पर अपने 11वीं सदी के संस्मरण में, दीपावली को कार्तिक महीने में नये चंद्रमा के दिन पर हिंदुओं द्वारा मनाया जाने वाला त्यौहार कहा है।

बादशाह जहाँगीर भी दीपावली धूमधाम से मनाते थे। मुगल वंश के अंतिम **सम्राट बहादुर शाह जफर** दीपावली त्योहार मनाते थे और इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों में वे भाग लेते थे। **शाह आलम द्वितीय** के समय में समूचे शाही महल को दीपों से सजाया जाता था एवं लालकिले में आयोजित कार्यक्रमों में हिन्दू-मुसलमान दोनों भाग लेते थे।

इस प्रकार रामायणकाल से ही दीपावली मनाए जाने की जानकारी पायी जाती है।

भारत के बाहर और कहां मनाई जाती है दिवाली

विशेष रूप से हिंदू, जैन और सिख समुदाय दुनिया भर में दीपावली को मनाते हैं। दीपावली को श्रीलंका, पाकिस्तान, म्यांमार, थाईलैंड, मलेशिया, सिंगापुर, इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, फिजी, मॉरीशस, केन्या, तंजानिया, दक्षिण अफ्रीका, गुयाना, सूरीनाम, त्रिनिदाद और टोबैगो, नीदरलैंड, कनाडा, ब्रिटेन संयुक्त अरब अमीरात, और संयुक्त राज्य अमेरिका में मनाया जाता है। भारतीय संस्कृति की समझ और भारतीय मूल के लोगों के वैश्विक प्रवास के कारण दीपावली मनाने वाले देशों की संख्या धीरे-धीरे बढ़ रही है। कुछ देशों में यह भारतीय प्रवासियों द्वारा मुख्य रूप से मनाया जाता है, अन्य दूसरे स्थानों में यह सामान्य स्थानीय संस्कृति का हिस्सा बनता जा रहा है।

दीपावली के दिन नेपाल, श्रीलंका, म्यांमार, मारीशस, गुयाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, सूरीनाम, मलेशिया, सिंगापुर, फिजी और ऑस्ट्रेलिया की बाहरी सीमा पर क्रिसमस द्वीप पर एक सरकारी अवकाश होता है।

अमेरिका में दीपावली : 2003 में दीपावली को व्हाइट

हाउस में पहली बार मनाया गया और पूर्व राष्ट्रपति जॉर्ज वॉकर बुश द्वारा 2007 में संयुक्त राज्य अमेरिका कांग्रेस द्वारा इसे आधिकारिक दर्जा दिया गया। 2009 में बराक ओबामा, व्हाइट हाउस में व्यक्तिगत रूप से दीपावली में भाग लेने वाले पहले राष्ट्रपति बने। संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में भारत की अपनी पहली यात्रा की पूर्व संध्या पर, ओबामा ने दीवाली की शुभकामनाएं बांटने के लिए एक आधिकारिक बयान जारी किया।

ऑस्ट्रेलिया में दीपावली : सेलिब्रेट इंडिया इंकॉर्पोरेशन ने 2006 में **मेलबोर्न** में प्रतिष्ठित फेडरेशन स्क्वायर पर दीपावली समारोह शुरू किया था। अब यह समारोह मेलबॉर्न के कला कैलेंडर का हिस्सा बन गया है और शहर में इस समारोह को एक सप्ताह से अधिक तक मनाया जाता है। फेडरेशन स्क्वायर पर दिवाली को ऑस्ट्रेलिया में सबसे बड़े उत्सव के रूप में पहचाना जाता है।

ऑस्ट्रेलियाई बाहरी राज्य क्षेत्र, क्रिसमस द्वीप पर, दीपावली के अवसर पर ऑस्ट्रेलिया और मलेशिया के कई द्वीपों में आम अन्य स्थानीय समारोहों के साथ, एक सार्वजनिक अवकाश के रूप में मान्यता प्राप्त है

इंग्लैण्ड में दीपावली : वर्ष 2009 के बाद से, दीपावली हर साल ब्रिटिश प्रधानमंत्री के निवास स्थान, 10 डाउनिंग स्ट्रीट, पर मनाया जा रहा है।

न्यूजीलैण्ड में दीपावली : दिवाली वर्ष 2003 में, एक अधिकारिक स्वागत के बाद न्यूजीलैंड की संसद पर आयोजित किया गया था।

किस तरह सेलेब्रेट करें दिवाली

दीपावली का अर्थ होता है 'दीप' और 'प्रकाश' इसलिए सभी लोग दिवाली के त्यौहार को बड़ी शांति और सदभावना के साथ मनाये। पटाखों के जलाने से प्रदूषण की गम्भीर समस्या उत्पन्न होती है। इस दिवाली आओ मिलकर सभी यह संकल्प लें की प्रकृति के लिए कुछ उपहार भेंट करें और यह उपहार आप पटाखों का उपयोग न करके दे सकते हैं।

पटाखों की आवाज सुनकर बहुत से बेजुबान जानवर भी इनकी आवाजों से डर जाते है और घर के बच्चे व बुजुर्ग भी पटाखों की ध्वनि से परेशान हो जाते है। पटाखों की धूँआ से दमा के बीमारी के रोगी और परेशान होते हैं। इसकी आवाज से ध्वनि प्रदूषण भी होता है।

देश के छोटे व्यापारियों और कुम्हारों को आर्थिक रुप से सुदृढ़ बनाकर देश की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में हम उनकी मदद करने के लिए इलेक्ट्रिक लाइटों का प्रयोग न करके अधिक से अधिक मिट्टी के दीयों का प्रयोग कर सकते है। और इस तरीके से दिवाली परम्परिक रूप से मनाई जा सकती है।

दिवाली खुशियों का त्यौहार है अपने मनोरंजन और आनंद के लिए कभी भी किसी बेजुबान जानवरों और प्रकृति को हानि ना पहुँचायें। हम सभी लोगो का यह कर्तव्य है की लोगों को जागरूक करना कि दिवाली किस तरीके से मनानी चाहिए।

दीपावली और पटाखे

हर साल दीपावली पर पटाखों की वजह से कई घटनाएं होती है। कई लोग आग का शिकार होते हैं। **दीपावली दीपों का त्यौहार है ना कि पटाखों का।** आजकल के पटाखों की कानफोड़ आवाज से तो शायद भगवान के कान भी कांप जाते होंगे।

जितना हो सके इस दीपावली खुद भी पटाखों से दूर रहें और अपने आसपास के लोगों को भी पटाखों से होनी वाली हानियों के बारे में बताएं। इस दीपावली मिट्टी के दियों से उजाला फैलाएं ना कि प्रदूषण। यदि बच्चों के लिए पटाखे चलाना जरूरी समझते हैं तो ग्रीन पटाखें लायें।

इन जगहों पर नहीं मनाई जाती है दिवाली

भारत समेत पूरी दुनिया में धूमधाम से दिवाली मनाई जाती है। लोगों को इस रोशनी के त्योहार का बेसब्री से इंतजार रहता है। काफी पहले से ही लोग घर की सफाई और दिवाली की शॉपिंग समेत सभी तमाम तैयारियां शुरू कर देते हैं। इस दिन लोग घर में खुशहाली के लिए मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा करते हैं। लेकिन आपको जानकर हैरानी होगी कि भारत में कुछ ऐसी जगहें हैं जहां पर दिवाली नहीं मनाई जाती हैं। आईए जानते हैं उन जगहों के बारे में :-

भारत के दक्षिणी राज्य केरल व तमिलनाडु में दिवाली का त्योहार नहीं मनाया जाता है। केरल में दिवाली सिर्फ कोच्चि में ही मनाई जाती है।

यहां क्यों नहीं मनाई जाती है दिवाली

केरल में राक्षस महाबली राज करता था और यहां पर उसकी ही पूजा की जाती है। इसलिए लोग यहां पर राक्षस की हार पर पूजा नहीं करते हैं। केरल में दिवाली न मनाने की दूसरी वजह यह है कि वहां पर हिन्दू धर्म के लोग कम हैं। इस वजह से राज्य में दिवाली पर धूम-धाम नहीं होती। केरल में इस समय बारिश होती है, जिसकी वजह से पटाखे और दीये भी नहीं जलते हैं।

तमिलनाडु में भी एक जगह पर दीवाली नहीं मनाई जाती है। वहां पर लोग नरक चतुर्दर्शी मनाते हुए नजर आते हैं।

खुशखबरी

इस बार दिपावली पर अयोध्या के सरयू तट पर 18 लाख दीप जाए जाएंगे। जिससे कि 17 लाख दीप जलाए जाने का रिकॉर्ड बन सके। इस बार दीपक की साईज भी पहले से बड़ी रखी जा रही है ताकि ये अधिक समय तक जलते रहें।

- रमेश गैदर

विवाह एक संस्कार

वैदिक संस्कृति के अनुसार व्यक्ति के जन्म से मृत्यु तक सोलह संस्कारों का निर्वाह किया जाता है। इन्हीं संस्कारों में एक महत्वपूर्ण संस्कार है **विवाह संस्कार**। जिसे भारतीय परम्परानुसार पंडितों द्वारा मंत्रोच्चारण के साथ विधि-विधान से अग्नि, चन्द्रमा तथा ध्रुव तारे को साक्षी मानकर एक पवित्र वातावरण में सम्पूर्ण किया जाता है। वैवाहिक संस्कार द्वारा वर-वधु, जन्म-जन्मान्तर के संगी बनते हैं। कहा जाता है कि जब रिश्ते सिर्फ वर्तमान जन्म के होते हैं मगर पति-पत्नी का रिश्ता सात जन्मों का होता है। मगर आज के समय में फैशन, आधुनिकता तथा दिखावे की होड़ में हम रीति-रिवाजों का औचित्य तथा महत्व भूल गये हैं। हमने पवित्र संस्कार का स्वरूप स्वयं ही इतना विकृत कर दिया है कि अन्य धर्मों के लोग आज हिन्दू विवाह का मजाक बनाते हैं। विवाह के समय की जाने वाली प्रत्येक रस्म का तर्क हुआ करता है। आज की पीढ़ी इन सबसे अनजान होने के कारण अज्ञानतावश रीति-रिवाजों को दिखावे के फेर में जिस प्रकार निभाती है वे अधिकांशत: अपशगुनों का पर्याय ही बन जाते हैं। शादी ब्याह में डीजे, बैण्डबाजा, ढोल इत्यादि बजाने पर प्रतिबंध की मांग अक्सर उठायी जाती है। कुछ स्थानों पर यह प्रतिबंध लागू भी कर दिया गया है। यह बेतुका सा प्रतिबंध क्यों? बारात का तात्पर्य ही है कि वर पक्ष के लोग गाते-बजाते तथा नाचते हुए वधु पक्ष के घर जाते हैं, जहां उनका स्वागत तथा सत्कार किया जाता है। शास्त्रों में भी भगवान भोले की बारात का बहुत सुन्दर विवरण किया गया है। कहने का तात्पर्य है कि हिन्दू धर्म में बारात प्राचीन युग से ही धूम-धाम से निकाली जाती रही है तो इस प्रकार के प्रतिबंध की मांग करके क्यों हम अपने ही रिवाजों को बिगाड़ना चाह रहे हैं। हां, यदि इस प्रकार की समय सीमा बांधी जाए कि रात्रि 9 या 10 बजे के बाद डीजे इत्यादि नहीं बजाया जाए, तो बात फिर भी उचित लगती है। मगर सूनी, शांत तथा मायूसी से भरी बारात की कल्पना करना भी अभद्र सा लगता है।

इसी प्रकार बारात जब स्वागत द्वार पर आती है तो वर द्वारा **तोरण** मारने की परम्परा है। यह क्यों है, शायद बहुत ही कम लोग होंगे जिन्हें इस बात की जानकारी है। कहा जाता है कि प्राचीन काल में तोरण नाम का एक राक्षस हुआ करता था जो वधु के घर के द्वार पर तोता बनकर बैठ जाता था तथा प्रवेश के समय दूल्हे के शरीर में प्रवेश कर वधू से विवाह कर लेता था। एक राजकुमार जिसे देवी शक्ति का आशीर्वाद प्राप्त था, जब विवाह करने पहुंचा तो अपने अलौकिक तेज से उसने तोते के रूप में बैठे राक्षस को पहचान लिया तथा झट से अपनी तलवार के वार से उसका वध कर दिया। तत्पश्चात राजकुमारी से ब्याह रचाया। इसी मान्यता के चलते आज भी लकड़ी को तोरण बनाकर द्वार पर लगाया जाता है। मगर आजकल लोग इतने विवेकहीन हो गये है कि सिर्फ तोरण को आकर्षक बनावट तथा खूबसूरती देखते हैं। आजकल तोरण पर गणेशजी तथा स्वास्तिक मंडे होते हैं, तोते का तो कहीं पर नामोनिशान नहीं होता। जिन गणेशजी को हम निमंत्रण देकर विनायक महाराज बनाकर घर में यह कह कर बैठाते हैं कि "अपने आशीर्वाद से विवाह को राजी खुशी सम्पन्न करो," जब उन्हीं गणपति पर वर अपनी तलवार से वार करेगा तो इससे बड़ा अपशगुन क्या होगा?

कुछ समय पहले मैंने पढ़ा था कि विवाह में **दूल्हे की बढ़ी हुई दाढ़ी** पर भी प्रतिबंध लगाया गया है तथा यह नियम लागू किया गया कि दूल्हे की दाढ़ी बढ़ी हुई होगी तो उसके विरुद्ध कार्यवाही होगी। इस पर कई प्रकार की प्रतिक्रियाएं भी सामने आयी। इस बारे में मेरा यह मानना है कि यह कोई परम्परा या रीति रिवाज नहीं है। अपना रहन-सहन, वेशभूषा या रूप सज्जा व्यक्ति का निजी मामला है। प्रत्येक व्यक्ति यह अधिकार तथा स्वतंत्रता है कि वह विवाह के समय अपना वेष किस प्रकार का रखना चाहता है तथा किस प्रकार के वस्त्रादि पहनना चाहता है। लेकिन मैं आपको औचित्य जरूर बनाना चाहूंगी कि आखिर क्यों हमारे बुजुर्ग हमें बाध्य करते हैं कि दाढ़ी बनाकर ही दूल्हा घोड़ी पर बैठे। हमारे धर्म में विवाह को एक पवित्र तथा महत्वपूर्ण संस्कार के रूप में मान्यता दी गयी है। ऐसा कहा जाता है कि इस संस्कार में 33 कोटि देवी-देवता आमंत्रित किए जाते हैं जिनमें श्री गणेश, अग्नि देव, चन्द्रमा, ध्रुव इत्यादि सभी देवी-देवताओं को साक्षी बनाकर वर-वधु अग्नि केसमक्ष एक दूसरे का वरण करते हैं। इस समय वर को राजा तथा वधु को रानी के रूप में देखा जाता है इसीलिए दोनों को बहुत आकर्षक रूप में सुन्दर वस्त्रों तथा आभूषणों से सजाया जाता है किसी भी भगवान की मूरत यदि आपने गौर से देखी हो या **किसी भी महापुरुष की तस्वीर देखी हो तो आपको याद होगा कि वे बढ़ी हुई दाढ़ी में नहीं दिखे होंगे।** इसके विपरीत यदि हम किसी भिखारी या विक्षिप्त व्यक्ति की कल्पना करें तो सर्वप्रथम बढ़ी हुई दाढ़ी तथा फटे कपड़ों वाले व्यक्ति का चेहरा हमारे जेहन में आता है। यह युवा वर्ग को स्वयं तय करना होगा कि फैशन तथा संस्कार में क्या अन्तर है? फैशन करने के लिए उम्र पड़ी है। पत्नी का वरण करने के लिए जा रहे हैं तो एक राजा की तरह जाइये। इसी प्रकार विवाह में हल्दी, मेहन्दी, चाक-पूजन इत्यादि सभी रस्मों के कुछ ना कुछ औचित्य हैं जिन्हें आजकल के लोग दकियानूसी रीति रिवाज मानने लगे हैं।

आजकल की पीढ़ी **प्रीवेडिंग शूट** में अधिक रुचि लेने लगी है। दुल्हन का नाचते-कूदते एन्ट्री करना आधुनिकता तथा स्टेट्स सिंबल का प्रतीक माना जाता है। यह कैसी आधुनिकता है, समझ नहीं आता। विवाह समारोह में उपस्थित व्यक्ति या तो वर

पक्ष से होते हैं या वधु पक्ष से। दुल्हन एक पक्ष की बेटी होती है तो दूसरे पक्ष की वधु अर्थात दोनों ही पक्षों का मान सम्मान तथा इज्जत-अस्मिता। तो प्री-वेडिंग शूट किसे दिखाने के लिए? कौन अपने परिवार की बहु-बेटी को पर्दे पर बेढ़ंगे तरीके से देखकर खुश हो सकता है? नाचती हुई दुल्हन को देखने में किसी परिवारजन की रूचि हो सकती है, यह सोचने वाली बातें हैं। इन सब ढकोसलों पर प्रतिबंध लगना चाहिए। इसके अतिरिक्त **दहेज प्रथा, अनावश्यक लेनदेन, भोजन का अपव्यय तथा बर्बादी इत्यादि कुरीतियां भी समाज में प्रतिबंधित की जानी चाहिए।** जब समाज के युवा एकजुट होकर आगे आएंगे तथा इन कुरीतियों के रोकथाम की आवाज उठाएंगे तो निश्चित रूप से हम इस जंग में सफल हो सकेंगे। विवाह के समय होने वाले अनावश्यक खर्चों से कई परिवार सालों साल तक कर्जें में डूब जाते हैं जिसे चुकाने में व्यक्ति का बाकी सारा जीवन गुजर जाता है। तो आइये, हम सब मिलकर इस दिशा में कदम बढ़ाएं कि हमारे समाज में विवाह एक आदर्श बने, अभिशाप नहीं। अच्छाइयों को अपनाइयें तथा बुराइयों पर प्रतिबंध लगाइये।

- उर्वशी बालोदिया

कैसे मनाये दिवाली

दिवाली का ये त्यौहार, विदेशी ना हो बाजार।
स्वदेशी तरीके से ही खुशियाँ मनाइये।।

अपनों के साथ साथ, गरीबो की भी हो बात।
भूखे औ गरीबों को भी मिठाई खिलाइये।।

छुट्टी बिन जो जवान, ड्यूटी करे सीना तान।
उनके भी घर पे बधाई लेके जाइए।।

मातृभूमि के मुरीद, सीमा पे हुए शहीद।
उनके भी नाम एक दीपक जलाईये।।

****

अपने लिए तो सभी खुशियाँ मनाते आए।
औरों की खुशी का भी हवाला होना चाहिए।।

निज घर दीप जले मगर ये ध्यान रखें।
झुग्गी झोपड़ी में भी उजाला होना चाहिए।।

मिठाई की हो मिठास भूखा कोई नहीं सोये।
गरीबों के मुँह भी निवाला होना चाहिए।।

इस बार दिवाली पे गरीबों को खुशी बांटो।
दिवाली का अंदाज निराला होना चाहिए।।

- हेमंत कुमावत

कृपया ध्यान दे

राजस्व रिकॉर्ड सम्बन्धी आवश्यक सूचना

राजस्थान सरकार द्वारा राजस्व रिकॉर्ड को डिजिटलाइजेशन करने का कार्य वर्ष 2019 से किया जा रहा है, जिसमें तकनीकी खामी के चलते राजस्व रिकॉर्ड में जाति 'कुमावत' के स्थान पर 'कुम्हार/प्रजापत' दर्ज हो गयी है, जिसके चलते नामांतरण एवं अन्य भू-सम्बन्धी कार्यो में समस्या आना निश्चित है। बहुत से समाजबन्धु वर्तमान में इस समस्या से गुजर रहे है।

उपर्युक्त विषय के प्रति राज्य सरकार को निरंतर अवगत कराने के बाद सरकार ने शुद्धिकरण का आदेश जारी किया है। अत: सभी समाज बन्धुओं से निवेदन है कि अपना राजस्व रिकॉर्ड को मोबाइल पर 'धरा ऐप' अपलोड करके चेक कर लेवे। यदि आपके नाम में त्रुटी है तो अपना नाम राजस्व रिकॉर्ड में अतिशीघ्र **संशोधित करवाने के लिए** आप पटवारी व ग्राम पंचायत से सम्पर्क कर जाति 'कुमावत' करवा लेवे तथा भविष्य में होने वाली समस्याओं से बचे।

कृपया यह सूचना समस्त समाजबन्धुओं तक पहुंचा कर उनका समाज हित में सहयोग करे।

मेघावी छात्रों का सम्मान समारोह

9 अक्टूबर 2022 को श्रीरामपुर जिला **अहमदनगर के कुमावत बेलदार समाज सेवा संघ अहमदनगर** द्वारा मेघावी छात्रों का सम्मान समारोह का आयोजन धूमधाम से किया गया। कार्यक्रम में कुमावत बेलदार समाज सेवा संघ की महिला क्षेत्रीय कार्यकारिणी की घोषणा की गयी। श्रीमती कल्याणीताई विजयराव नाईक लव्हाणीवाळ कुमावत बेलदार समाज सेवा संघ की महाराष्ट्र महिला क्षेत्रीय अध्यक्ष चुनी गई। साथ ही कुमावत बेलदार समाज सेवा संघ की युवा क्षेत्रीय कार्यकारिणी की भी घोषणा की गई, **श्री गणेशजी छल्लारे को कुमावत बेलदार समाज सेवा संघ के युवा क्षेत्रीय अध्यक्ष चुना गया।** सर्वश्री दीपक घोडेले, बापू साहब कुमावत, शंकर कुमावत, प्रभाकरदादा करडीवाल, श्रीराम मोरवाल, चंदन नाईक, चंपलाल देवतवाल, प्रदीप कामे, संतोष बारवाल सभी क्षेत्रीय कुमावत महासभा के राष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्रीय कार्यकारिणी चुनी गई और पदग्रहण कार्यक्रम हुआ। मुख्य अतिथि सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रामेश्वरजी बम्बोरिया, हरीशदा बेहरे राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय सलाहकार एवं जयपुर के पूर्व उपमहापौर श्री विमल कुमावत, डॉ. जयनारायण जोनवाल मंत्री तथा रूप सिंह कारगवाल राष्ट्रीय महासचिव उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुमावत बेलदार समाज सेवा संघ के क्षेत्रीय अध्यक्ष माननीय श्री वसंत दादा मुंडावरे ने की। कार्यक्रम का संचालन महाराष्ट्र प्रदेश सचिव मनोज बेलदार और नासिक जिला सचिव प्रदीप कुमावत ने किया।

- श्रीकांत परदेशी तुसे, संस्थापक अध्यक्ष

ब्लैकमेलिंग का खेल!

आधी रात व्हाट्सएप पर वीडियो कॉल आई। कोई नंबर फ्लैश नहीं हो रहा था। इधर से फोन उठा लिया गया, उधर से एक लड़की दिखाई देने लगी। उसने कपड़े उतारने शुरू कर दिए, फोन पर देख रहा शख्स हतप्रभ था। उसने कुछ ही देर बाद कॉल कट कर दी। कॉल फिर आई, रिसीव किया और काट दिया। आधे घंटे बाद व्हाट्सएप पर वीडियो मिला, इसमें उसी शख्स का अश्लील वीडियो पड़ा हुआ था। उधर से धमकी दी गई कि यदि पैसे नहीं दिए तो ये वीडियो वायरल कर दी जाएगी। इतना सुनते ही होश उड़ गए। जी हां, ये कहानी नहीं हकीकत है, कई लोगों के साथ ऐसी ही घटना घट चुकी है।

इंटरनेट मोबाइल के इस दौर में ऐसी घटना किसी के साथ भी हो सकती है। फेसबुक की फर्जी आईडी बनाकर दोस्तों से पैसे मांगने वालों की तरह अभी साइबर क्राइम करने वालों का ये तरीका पूरी तरह चर्चा में नहीं आया है, लेकिन आप सावधान हो जाए। ये साइबर अपराधियों का नया मॉड्यूल है। ये देर रात ऑनलाइन रहने वाले नंबरों पर नजरें गड़ाए रखते हैं, उनके बारे में तमाम जानकारियां इकट्ठा करते हैं। सारी जानकारी हो जाने के बाद होता है फोन का खेल, फोन व्हाट्सएप या मैसेंजर पर आता है, जिसमें नंबर फ्लैश नहीं करता, फोन पर लड़की आती है, जो बताती है कि वो हाईप्रोफाइल है और दोस्ती करना चाहती है। उसका मकसद उस शख्स को ज्यादा से ज्यादा देर तक फोन पर व्यस्त रखना होता है, ताकि वीडियो में उसके चेहरे के तमाम हाव-भाव रिकॉर्ड हो सके। इस कोशिश के लिए लड़की तमाम तरह की हरकतें भी करती हैं।

लड़की अपने कपड़े भी उतारती है, सामने वाले को भी ऐसा करने के लिए कहती है। अधिकांश लोग ऐसी कॉल आते ही समझ जाते हैं कि ये झांसेबाजी है, फिर भी कुछ लोग इस झांसेबाजी में फंस जाते हैं। ज्यादातर ऐसे मामलो में कॉल को म्यूट रखा जाता है और बैक साइड में न्यूड वीडियो प्ले किया जाता है लेकिन कॉल रिसीव करने वाले को ऐसा लगता है की सचमुच लड़की ही मुझे वीडियो कॉल कर रही है। कॉल डिस्कनेक्ट होने के बाद ये लोग उस शख्स के चेहरे को मॉर्फ करके न्यूड वीडियो बना लेते हैं। फिर शुरू होता है ब्लैकमेलिंग का खेल ! आपसे गुजारिश है कि ऐसे झांसों में न खुद फंसें और न अपने आसपास के लोगों और दोस्तों को फंसने दें। समझें और समझाएं कि फोन पर लड़की कहीं से अचानक नहीं टपकती ! अपराधी बाकायदा जाल बिछाकर ऐसे शिकार करते हैं। अपराध का ये ट्रेंड बहुत तेजी से चल रहा है। इनका शिकार होने से बचिए और जानकारी शेयर करके दूसरों को भी बचाइए।

यदि कोई ऐसे साइबर अपराधियों का शिकार हो गया है तो पहली बात है कि डरना बंद करके पुलिस में रिपोर्ट करनी चाहिए। उससे पहले अपने परिवार में बताएं, अपनी पत्नी, अपनी मां, अपने पिता को बताएं। ध्यान रहे कि एक बार इनकी धौंस में आकर अगर पैसे दे दिए तो आप इनके लिए एटीएम हो जाएंगे। ये अपने इशारों पर नचाते जाएंगे, आप नाचते जाएंगे। ज्यादातर गुंजाइश तो इसी बात की है कि अपराधी सिर्फ डराकर पैसा वसूलना चाहते हैं। पुलिस के चक्करों में वो भी नहीं पड़ना चाहते। क्योंकि ये ठग हैं, डकैत नहीं ! खुद पुलिस भी कहती है कि ऐसे साइबर अपराधी कुछ भी वायरल नहीं करते, क्योंकि ऐसा करने पर उनके पकड़े जाने का ज्यादा खतरा होता है वे सिर्फ धमकी देते हैं।

ऐसी घटना होने पर कुछ बेहद जरूरी बातों का हमें ध्यान रखना होगा जैसे 1. ऐसे नंबर से आ रही कॉल को बिल्कुल भी रिसीव न करें। चाहें तो पूरी रिंग बजने दें या फिर उसे कट कर दें। लेकिन रिसीव कतई न करें। 2. मैसेज या कॉल बैक वापस न करें। 3. आप उस नंबर को Whatsapp व सभी सोशल मीडिया प्लेटफार्म जैसे फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्विटर आदि पर ब्लॉक कर दे। ब्लॉक किए जाने से वह नंबर फिर से आपको कॉन्टेक्ट नहीं कर पाएगा। 4. Whatsapp व अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्म की ओर से ब्लॉक के साथ ही रिपोर्ट कर दे। रिपोर्ट करने से पता चल जाएगा कि उस नंबर से कोई अमान्य हरकत की गई है, और व्हाट्सऐप उस नंबर की तफ्तीश शुरू कर देगी। 5. कुछ दिनों के लिए अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म को डीएक्टिवेट कर देवे। 6. साइबर सेल या पुलिस को सूचित करे।

पुलिस से शिकायत पर बदनामी और कानूनी झमेले में फंसने का डर भी पीड़ित को सताता है। यही वजह है लोग पुलिस से मदद मांगने तो आते हैं, लेकिन एफआईआर दर्ज कराने से कतराते हैं। यदि आप धोखे से भी इस तरह के मामले के शिकार बन गए हैं, तो बिल्कुल भी मत डरिए। जब आपने गलती नहीं कि तो डर किस बात का? डरे वो जिसने आपके साथ गलत किया और आगे भी करने की कोशिश कर रहा है। सबसे पहली बात तो सावधानी और सतर्कता ही सबसे बड़ा बचाव है। ऐसे में सोशल मीडिया पर किसी भी अनजाने नंबर से आई वीडियो कॉल को कभी भी न उठाएं न ही किसी को उठाने दें। सोशल मीडिया पर अपनी फ्रेंड लिस्ट को भी चेक करके संदिग्ध लोगों को अनफ्रेंड किया जाना ही सबसे कारगर है।

मुकेश कुमावत बोराज, जयपुर
मो. 8385000205

वि/1 श्री महेश चन्द जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/2 श्री नीरज धुन्धारिया, आनन्दपुरी, जयपुर
वि/3 श्री मनीष खोवाल कुमावत एडवोकेट, जयपुर
वि/4 श्री मनोज कुमार सिरसवा, जयपुर
वि/5 श्री शंकर लाल जायलवाल, टोंक रोड, जयपुर
वि/6 श्री यतेन्द्र अजमेरा, त्रिमूर्ती सर्किल, जयपुर
वि/7 श्री राकेश चन्द सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/8 श्री संदीप नागा, बापू नगर, जयपुर
वि/9 श्री राजेन्द्र कुमार वर्मा, भौरोदिया जयपुर
वि/10 श्री मोहन कुमार घोड़ीवाल, जयपुर
वि/11 श्री नवल सरथल्या, महावीर नगर, जयपुर
वि/12 श्री पंकज कुमावत, वैरा झोटवाड़ा, जयपुर
वि/13 श्री चेतन कुमावत, डीसीएम, जयपुर
वि/14 श्री मनोज माचीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/15 श्री दीपक सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/16 श्री लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल, जयपुर
वि/17 श्री योगेश वर्मा, खड़गटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/18 श्री शैलेन्द्र खटगटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/19 श्री विनोद बालोदिया, दुर्गापुरा जयपुर
वि/20 श्री ओमकार मल घोड़ेला, रींगस रोड, जयपुर
वि/21 श्री रामपाल मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/22 श्री रामप्रकाश बेरा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/23 श्री मोहनलाल घोड़ेला, नींदड़, जयपुर
वि/24 श्री कालूराम होदकास्या, नींदड़, जयपुर
वि/25 श्री जयनारायण मारवाल, जोटवाड़ा, जयपुर
वि/26 श्री महेंद्र खरोलिया, चांदपोल बाजार, जयपुर
वि/27 डॉ. सीताराम नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/28 श्री शंकरलाल मामोरिया, 22 गोदाम, जयपुर
वि/29 श्री रामस्वरूप खोराणिया, जयपुर
वि/30 श्री नरेंद्र कुमार आर्य, ब्यावर, अजमेर
वि/31 श्री चेनसुख बड़ीवाल, बगरू, जयपुर
वि/32 श्री चांदमल कुमावत (घोड़ेला), मुंबई
वि/33 श्री राजसिंह गैदर, टोंक रोड, जयपुर
वि/34 श्री मनोज ब्याडवाल, श्रीराम नगर झोटवाड़ा
वि/35 श्री गोपाल मारवाल, श्रीमाधोपुर, सीकर
वि/36 श्री मनीष मारवाल, निवारू रोड, जयपुर
वि/37 श्रीरूप सिंह कारगवाल, जयपुर
वि/38 श्री दया प्रकाश जलांधरा, इंदौर
वि/39 श्री नवीन कुमार वर्मा भौंरोदिया, इंदौर
वि/40 श्री राजेंद्र प्रसाद, तमिलनाडु
वि/41 श्री शिव भगवान चेजारा, सिरस्वा, सीकर
वि/42 श्री तेज प्रकाश नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/43 श्री पृथ्वीराज जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/44 श्री मोहन कुमार बालोदिया, जयपुर
वि/45 श्री पुरुषोत्तम लाल घोड़ेला, जयपुर
वि/46 श्री ललित स्वरूप पोडेला, जयपुर
वि/47 श्री विजय कुमावत (भौरोंदिया), जयपुर
वि/48 श्री अरविंद सिरस्वा, पचार, सीकर

विशिष्ठ संरक्षक

वि/49 श्री मूलचंद खोवाल, जयपुर
वि/50 श्रीमती शशि वर्मा, धुमुनिया, दुर्गापुरा, जयपुर
वि/51 श्री राजेंद्र जूनवाल टोंक फाटक, जयपुर
वि/52 श्री सतीश चंद खाटूवाल, जयपुर
वि/53 श्री नन्द किशोर सिरस्वा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/54 श्री संतोष खरनारिया कुमावत, अजमेर
वि/55 श्री प्रमोद कुडावलिया, छत्तीसगढ़,
वि/56 श्री मनोज बड़ीवाल, रायपुर, छत्तीसगढ़
वि/57 श्री श्रीराम नीमिवाल, जयपुर
वि/58 श्री भीवाराम दम्बीवाल, निर्माण नगर, जयपुर
वि/59 श्री पन्नालाल सिरस्वा, निर्माण नगर, जयपुर
वि/60 श्री रामस्वरूप कुमावत, बड़ीवाल, मुम्बई
वि/61 श्री हेमेंद्र सिंह गैदर, टोंक रोड, जयपुर
वि/62 श्री साधुलाल चेजारा (सिरस्वा), जयपुर
वि/63 श्री गोपाललाल बासनीवाल, जयपुर
वि/64 श्री मोहनलाल मामोड़िया, जयपुर
वि/65 श्री रामकुमार बिरथलिया, जयपुर
वि/66 श्री जगदीश कुमावत
वि/67 श्री मुकेश कु. कुदीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/68 श्री रोहिताश मोरवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/69 श्री शुभकरण किरोड़ीवाल, सूरत
वि/70 श्री नान्छीलाल कुद्दीवाल, जयपुर
वि/71 श्री रमेश चंद माचीवाल, त्रिनगर, दिल्ली
वि/72 श्री राधेश्याम घासोलिया, दिल्ली
वि/73 श्री हंसराज मारवाल, ब्यावर
वि/74 श्री मेघराज सिरस्वा, छत्तीसगढ़
वि/75 श्री सूरजमल अनावड़िया, लाल कोठी, जयपुर
वि/76 श्री छीतरमल धुंधारिया, निवारू रोड, जयपुर
वि/77 श्री रामगोपाल खोराणिया, सोडाला, जयपुर
वि/78 श्री हरिशंकर राजौरा, जयपुर
वि/80 डॉ. प्रवीण कुमार मारवाल, झुंझुनूं
वि/81 श्री अर्जुन लाल धुन्धारिया, जयपुर
वि/82 श्री ओम प्रकाश धुन्धारिया, जयपुर
वि/83 श्री गोविंद नारायण तांगड़ा, जयपुर
वि/84 श्री सुरेंद्र सिंह तारकसी, बापू नगर, जयपुर
वि/85 श्री माधव दास बालोदिया, जयपुर
वि/86 श्री मोहित धुन्धारिया, जयपुर
वि/87 श्री बाबूलाल मंडावरा, जयपुर
वि/88 श्री मनीष वर्मा (सिरस्वा), दुर्गापुरा, जयपुर
वि/89 श्री हेमांक खड़गटा, मोती डूंगरी, जयपुर
वि/90 श्री कैलाश जलान्धरा, माल की ढाणी, दूदू
वि/91 श्री लोकेश जंहाजपुरिया, नंदपुरी, जयपुर
वि/92 श्री नन्दकिशोर आसीवाल, रिंगस, सीकर
वि/93 श्री बाबूलाल धुन्धारिया, वीकेआई, जयपुर
वि/94 श्री रामसिंह बैथाड़िया, तुलसी सेन्ट्रल मैन बाजार, सांगानेर
वि/95 श्री मदन लाल कुमावत, निर्माण नगर, जयपुर
वि/96 श्री नरेंद्र मामोडिया, अशोक नगर, उदयपुर
वि/97 श्री बाबूलाल कुमावत, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/98 श्री रमेश मारवाल, खातीपुरा, जयपुर
वि/99 श्री प्रहलाद नारायण कुमावत, जयपुर
वि/100 श्री सत्यनारायण कुमावत, जयपुर
वि/101 श्री दीपेश टी. मॅडावरा, जयपुर
वि/102 श्री राकेश कुमावत (एडवोकेट), बरकत नगर, जयपुर
वि/103 श्री ओमप्रकाश कुमावत, जयपुर
वि/104 श्री रमेश चन्द ब्याड़वाल, नई दिल्ली
वि/105 डॉ. एन.के. कुमावत, लालकोठी, जयपुर
वि/106 श्री राम प्रसाद छापोला, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/107 श्री गिरधारी लाल सिंघनवाल, उदयपुर
वि/108 श्री राकेश कुमावत (धनारिया), उदयपुर
वि/109 श्री बाबूलाल वर्मा (ब्याड़वाल), नई दिल्ली
वि/110 श्री कन्हैयालाल खण्डारिया, जयपुर
वि/111 डॉ. महेश कुमार जालवाल, जयपुर
वि/112 डॉ. श्रीमती श्यामा कुमावत, उदयपुर
वि/113 श्री महेश कुमार कुमावत, किशनगढ़
वि/114 श्री मुकेश वर्मा (मरोड़िया), जयपुर
वि/115 श्री जयकिशन कुमावत (सोकिल), चौमूं
वि/116 श्री गजेंद्र मारवाल, सांगानेर, जयपुर
वि/117 श्री सुनील तोंदवाल, वीकेआई, जयपुर
वि/118 श्री मदनलाल जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/119 श्री सुमित कुमार घोड़ेला, मुंबई
वि/120 श्री ओम प्रकाश का कारगवाल, ब्यावर
वि/121 श्री प्रेमचन्द कुमावत (बैरा), झोटवाड़ा, जयपुर
वि/122 श्री योगेश वर्मा, मुम्बई
वि/123 श्री राजेश धूंधारिया, डूंडलोद कॉलोनी, जयपुर
वि/124 श्री सुनील प्रकाश वर्मा, मुम्बई
वि/125 श्री उम्मेद सिंह नन्दीवाल पुत्र श्री जी.एस. नन्दीवाल, जयपुर
वि/126 श्री रामलाल बैथाड़िया
वि/127 श्री लोकेन्द्र बालोदिया, जयपुर
वि/128 श्री कुमार गौरव कुमावत, कोटा
वि/129 श्रीमती मेघना कुमावत, जयपुर
वि/130 श्री गोपाल लाल कुण्डलवाल, जयपुर
वि/131 श्री दामोदर लाल जलान्दरा, जयपुर
वि/132 डॉ. पी.एम. कुमावत, उज्जैन
वि/133 श्री विमल कुमावत, जयपुर
वि/134 श्री महेन्द्र सिंह, बापूनगर, जयपुर
वि/135 श्री गोपाल लाल-सीताराम, जयपुर
वि/136 रुपेश मारोठिया, बरकतनगर, जयपुर
वि/137 श्री घनश्याम देवतवाल, पटेल कॉलोनी, जयपुर
वि/138 श्री लक्ष्मीनारायण सिरस्वा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/139 श्री प्रहलादराय नोखवाल, किशन मानपुरा, भदाल, गोविन्दगढ़
वि/140 श्री घनश्याम खाटूवाल, डोढसर
वि/141 श्री मुकेश कारगवाल, बरकत नगर
वि/142 श्री कैलाश खटोड़, गजसिंहपुरा, गोपालपुरा बाईपास
वि/143 श्री राकेश कुमावत,(आसीवाल), बनीपार्क, जयपुर

''कुमावत इंडिया'' पत्रिका परिवार की ओर से सभी दिवंगत आत्माओं को अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

19 सितम्बर श्री प्रहलाद राय घासोलिया वैशाली नगर, जयपुर
21 सितम्बर श्री प्रहलाद नारायण जी पुत्र स्व. को भौरीलाल जी खोवाल मोरण्डी, जयपुर
24 सितम्बर श्री छगन लाल कुमावत इन्दौर
25 सितम्बर श्रीमती शांति देवी धर्मपत्नी स्व. श्री गोविन्द सिंह कुसुम्बीवाल, जयपुर
26 सितम्बर श्री सुवा लाल जी पुत्र स्व. श्री ज्ञान चन्द जी आसीवाल, धोलीमण्डी, चौमू
26 सितम्बर श्रीमती केसर देवी दम्बीवाल, मुण्डोता, जयपुर
27 सितम्बर श्रीमती लहरीबाई धर्मपत्नी स्व. श्री केसुराम जी मेरावॅडिया, राजसमन्द
28 सितम्बर श्रीमती लक्ष्मी देवी धर्मपत्नी मदन लाल कुमावत, चित्रगुप्त कॉलोनी, जयपुर
30 सितम्बर श्री तरुण दोराया, बसन्त विहार, सांगानेर

1 अक्टूबर श्री गणेश नारायण कारगवाल, लालकोठी स्कीम, जयपुर
2 अक्टूबर सुरभि कुमावत पुत्री श्री हरीशंकर भौरोदिया, मानसरोवर, जयपुर
3 अक्टूबर श्रीमती सुशीला देवी धर्मपत्नी श्री रघुननंदन राहोरिया, विद्याधर नगर, जयपुर
4 अक्टूबर श्री रामदयाल होदकस्या, इन्द्रा कॉलोनी, जयपुर
5 अक्टूबर श्री जगदीश कुमावत पुत्र स्व. श्री सुमन चन्द राजोरिया, जयपुर
5 अक्टूबर श्री रमेश चन्द नागा, आदर्श कॉलोनी, बगरू
5 अक्टूबर श्रीमती प्रभाती देवी धर्मपत्नी स्व. श्री ग्यारसीराम खोरानिया, नींदड, जयपुर
7 अक्टूबर श्री रामेश्वर लाल मोरवाल, जोबनेर, जयपुर
8 अक्टूबर श्री राजेन्द्र राजोरिया पुत्र स्व. श्री राधेश्याम, शिव विहार, मानसरोवर, जयपुर
11 अक्टूबर श्रीमती मोहनी देवी धर्मपत्नी श्री रूपनारायण कुमावत, जयपुर
12 अक्टूबर श्रीमती भूरी देवी धर्मपत्नी श्री मोतीलाल नेमीवाल, बोराज, जयपुर
13 अक्टूबर श्रीमती सुशील देवी धर्मपत्नी श्री ओम प्रकाश घोड़ेला, शास्त्री नगर, जयपुर

विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची

युवक

नाम	शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				संपर्क सूत्र मो. नंबर	स्थान
					स्वयं	माता	दादी	नानी		
तरुण	Architect	Architect	21.5.97	5'7''	अनावडिया	कुद्दीवाल	कण्डेरीवाल	कारगवाल	9929043055	जयपुर
विकास	12th	Wooden & Aluminum	21.8.92	5'5''	पारमवाल	घोड़ेला	लोरवाड़िया	खाटूवाल	6375774737	अजमेर
रमेश	Polytechic depl.	Insurance	04.01.95	5'8''	उदयवाल	सिरोहिया	कुलचाणिया	दोराया	9950840310	जयपुर
योगेश	M.com.,	Genpact Assi. Manager	01.06.90	5'10''	तागड़ा	जालवाल	सिरोहिया	मारोठिया	7790887274	जयपुर
मोहित	BE (Elect.)	Private job	31.7.95	5'9''	देवतवाल	तूंदवाल	घोड़ेला	भोड़ीवाल	9979458927	गुजरात
हेमन्त	B.A.	-	20.8.98	5'5''	इकलिया	गुडिया	हडीवाल	सिंघल	9828113255	ब्यावर
शिवराज	10th	Self work shop	15.7.94	5'9''	बरमूडा	सिंघनवाल	जलान्दरा	मामोडिया	8058853496	चौमूं
प्रशान्त	MBA sangeet visard	Self institute	12.4.87	5'9''	अजमेरा	नीमीवाल	भोरोदिया	किरोड़ीवाल	9829447772	जयपुर
राजकुमार	B.A., Diploma	Self Busness	1.9.82	5'9''	जलान्दरा	बारावाल	उज्जीवाल	–	7737718472	जयपुर
सुरेश	MA., ITI	Govt. Service	15.4.93	5'4''	बबेरवाल	घोड़ेला	मारवाल	सिरस्वा	9828484833	जयपुर
सुरेन्द्र	B.A., Bed.	Asm in Axes bank	5.12.93	175सेमी	मनेठिया	जलान्दरा	मारोठिया	तूंदवाल	8889288323	जयपुर
अभिषेक	M.Com	Accountent	6.1.98	5'7'	बेड़वाल	होदकास्या	बींवाल	किरोड़ीवाल	7082672627	झुंझुनूं
गोपाल	B.A.	Ladies talor shop	28 वर्ष	5'9''	घोड़ेला	सिरस्वा	तूंनवाल	मारवाल	874091506	श्रीमाधोपुर
अनिल	M.Tech.	Asst. (KVS)	3.10.92	5'7''	खरनारिया	जूनवाल	दोराया	मारोठिया	9414644833	जयपुर
कालूराम	M.A.	Marketing Tata Enter.	28.10.88	178सेमी	मनेठिया	जलान्धरा	मारोठिया	तूंदवाल	8889288323	जयपुर
संदीप	B.Com. MBA	Executive	12.9.92	5'7''	सोकिल	दंबीवाल	मारवाल	घोड़ेला	9024380247	जयपुर
दीपक	D. Pharmacy	-	17.12.96	5'9''	राजोरिया	तूंदवाल	घोड़ेला	कारगवाल	9462058135	सीकर

युवतियाँ

नाम	शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				संपर्क सूत्र मो. नंबर	स्थान
					स्वयं	माता	दादी	नानी		
किरण	ME (BITS)	-	16.3.94	5'5''	सनगार	चांदोरा	मालवीया	तिलायचा	9313723675	जोधपुर
प्रियंका	M.A. (Eng.)	-	27.6.93	5'6''	बारावाल	जलान्दरा	मानोडिया	देवतवाल	9460636574	जयपुर
रानी(तलाकशुदा)	B.Com.	-	16.6.85	5'2''	जलान्दरा	भडानिया	मारवाल	लोरचा	8120400598	इन्दौर
काजल	M.Com.	-	23.4.96	5'2''	जलान्दरा	धुंधारिया	बेरा	कारगवाल	9828118789	जयपुर
डॉ. पुष्पा	M.A., Bed.Phd.	-	21.9.83	5'3''	बालोदिया	देवतवाल	कुद्दीवाल	भोड़या	9314928287	जयपुर
वर्षा	ITI 2 year	-	20.8.98	5'4''	होदकास्या	मालिया	नराणिया	भयून्डिया	8387010940	नसीराबाद
चंचल	M.A.	-	1.9.94	5'6''	बालोदिया	कारगवाल	घोड़ेला	मारवाल	9351651021	जयपुर
गायत्री	B.Sc.,M.Com.	-	15.6.98	5'3''	बबेरीवाल	जालवाल	देवतवाल	भडानिया	9414164522	उदयपुर
हेमलता	M.A.	-	3.3.97	-	सिरसवा	राहोरिया	माचीवाल	मारवाल	7976794362	कुचामनसिटी
सुमन	M.Sc., NET	-	8.9.93	5'7''	मारवाल	सिरोदिया	घोड़ेला	नागा	9521338433	जयपुर
आयुषी	PGDM	IT Services deputy diloma	1.8.95	5'3''	सुखड़ीवाल	सारड़ीवाल	उदयवाल	नीमीवाल	9001090778	जयपुर
भाग्यश्री	B.Tech. (CS)	-	7.11.94	5'5''	अनावडिया	बालोदिया	सिखवाल	पारमवाल	9460709447	अजमेर
सोनल	B.Com. CS	ICSI	4.4.93	5'5''	मावर	किरोड़ीवाल	बेडवाल	माचीवाल	7999823948	अजमेर
कृतिका	B.Sc., B.ped	-	8.12.95	5'3''	मोरवाल	नीवाल	बरेडिया	डूंगरवाल	9001783627	उदयपुर
दुर्गेशनन्दिन	B. Tech.,(IT)	Pvt.	01.12.94	5'2''	किरोड़ीवाल	सारड़ीवाल	कारगवाल	घोड़ेला	9351383277	जयपुर
गुंजन	B.Com., PGDM	Job in Wipro	31.7.96	5'2''	बीनवाल	मनेठिया	सिंघनवाल	नाडीया	7793064396	जयपुर
अरीता	M. Com.,Bed.	Pvt.	25.8.89	5'3''	छापोला	तूनवाल	नीमीवाल	जालवाल	9925021687	सूरत
कंचन	B.Com., CA Final	-	22.12.95	5'3''	कण्डेरीवाल	सिंगाठिया	मारोठिया	अनावड़िया	9636886226	हाथोज

नोट : 1. यदि आप अपनों की वैवाहिक जानकारी नि:शुल्क प्रकाशित कराना चाहते हैं तो उक्त कॉलम के अनुसार कार्यालय को जानकारी प्रेषित करें।

2. प्रदत्त सूचना के आधार पर यदि आपके किसी अपने का सम्बन्ध हो जाये तो कृपया 'कुमावत इंडिया' पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।

3. उपरोक्त वैवाहिक बायोडाटा की जानकारी व्यक्तिगत, विभिन्न वैवाहिक ग्रुप एवं मीडिया के द्वारा प्राप्त हुई है। नवीनतम अपेडेट जानकारी हेतु कृपया व्यक्तिगत सम्पर्क करें।

पोस्टकार्ड से भी कम कीमत पर आपका संदेश, विज्ञापन समस्त भारत में पहुँचाने का एकमात्र सशक्त माध्यम "कुमावत इंडिया पत्रिका"

समाज बन्धुओं से निवेदन है कि पत्रिका में प्रकाशन हेतु यदि आप प्रकाशन सामग्री:- समाचार, फोटो, लेख, कविता, प्रतिभाओं का परिचय, सामाजिक गतिविधियों, जनउपयोगी सूचना आदि प्रकाशित करवाना चाहते हैं तो कृपया kumawatindiapatrika @gmail.com पर मेल करें अथवा कार्यालय पते पर सामग्री प्रेषित करें।

-सम्पादक

आवश्यक सूचना

पत्रिकाएं नियमित रूप से हर माह की 25 तारीख को जयपुर से निर्धारित डाकघर में भेज दी जाती हैं। यदि किसी सदस्य को एक सप्ताह के अन्दर पत्रिका नहीं मिलती है तो आप अपने पोस्टमैन व पोस्ट मास्टर से शिकायत करें एवं हमें भी सूचित करें।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका में प्रकाशित सामग्री के तथ्य, आंकड़े व विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं तथा इसकी मौलिकता व सत्यता के लिए सम्पादक मण्डल, पत्रिका, प्रकाशक एवं ट्रस्ट विधिक रूप से उत्तरदायी नहीं है।

■ किसी भी लेखन सामग्री या उसके किसी भाग के लिए प्रकाशन से 2 माह बाद कोई आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी।

समस्त विवादों के लिए न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

पूर्वजों की याद को संजोये रखे

हमारे माता-पिता हमें इस संसार में लाए, भरण-पोषण कर तथा शिक्षा दिलाकर योग्य बनाया। इसके बाद भी हर समय एक वृक्ष की छांव की तरह हमारा संरक्षण किया, चल-अचल सम्पत्ति छोड़कर स्वर्ग सिधार गए। हम उनकी चिरस्मृति बनाये रखने के लिए उनकी पुण्य तिथि का विज्ञापन दे सकते हैं।

'कुमावत इण्डिया' पत्रिका ने यह सुविधा दी है, समाज बन्धु 4000 रु. शुल्क जमा कराकर अपने पूर्वज (माता-पिता, दादा-दादीजी, नाना-नानी) की पुण्य तिथि फोटो सहित 10 वर्ष तक 1/8 पेज पर मल्टीकलर में प्रकाशित करा सकते हैं। - सचिव

-: विशेष निवेदन :-

1. **शोक समाचार, तीये की बैठक के समाचारों में नाम के साथ 'कुमावत' अवश्य लगाएं। क्योंकि समान गोत्र अन्य समाजों में भी मिलते हैं।**
2. **इस पत्रिका में हाल ही में दिवंगत हुए समाजजनों की श्रद्धांजलि एक लाईन में नि:शुल्क प्रकाशित की जाती है। इस हेतु पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।**

सदस्यता समाप्ति सूचना

3 वर्षीय सदस्यता वाले सदस्यों को सूचित किया जाता है कि उसकी सदस्यता समाप्त हो गई। कृपया शीघ्र नवीनीकरण करावें।

सामाजिक संस्थाओं व ट्रस्टों को विज्ञापन में 10 प्रतिशत की छूट।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिलने पर यहां सम्पर्क करें

डाक विभाग एवं अन्य के कारणों से आपको पत्रिका नहीं मिलती है तो कृपया अपने नजदीक सेन्टर पर जाकर प्राप्त करने का कष्ट करें तथा कृपया पत्रिका कार्यालय को पत्र, पोस्ट कार्ड आदि द्वारा सूचित करने का कष्ट करें।

जयपुर :

1. **लालकोठी बापूनगर**-श्री सुरेन्द्र नागा, सिवाड़ एरिया, बापूनगर, मो. 9414994006
2. **शिल्प कॉलोनी, झोटवाड़ा**- श्री महेश जलान्धरा मो. 9509344684
3. **कुमावत कॉलोनी झोटवाड़ा**- श्री सुरेन्द्र मारोठिया मो. 9314820385
4. **जयपुर शहर**-श्री राजसिंह बधानियां, म.नं. 454, मिश्र राजाजी का रास्ता, मो. 9414238799
5. **सांगानेर**-श्री भीमसिंह सिरोहिया, मालपुरा गेट मो. 9414359364
6. **मालवीय नगर**-श्री चन्द्रप्रकाश अजमेरा मो. 9928088815
7. **22 गोदाम**-श्री चेतन बालोदिया, राज ब्लॉक, बी-81, रोड नं. 4 मो. 9414052736
8. **आदर्श नगर, तिलक नगर**-श्री शैलेन्द्र खड़गटा, खड़गटा भवन, मोती डूंगरी, जयपुर मो. 9351682036
9. **दहमी कलां, बगरू**-श्री चेनसुख बड़ीवाल, ग्लोबल एकाउन्ट सर्विस दहमी कलां बालाजी स्टेण्ड मो. 9929012987
10. **करधनी-कालवाड़ रोड**-श्री गणेश राम मारवाल, मै. जयश्री राम हार्डवेयर एण्ड पावर टूल्स टिम्बर दुकान नं. 90-91, करधनी शॉपिंग सेन्टर 9 दुकान कालवाड रोड, मो. 9828063267
11. **टोंक फाटक**- गणपति आर्ट एण्ड फ्रेम, 26 आदर्श बस्ती, मो. 8058157147
12. **बरकत नगर-महेश नगर**-श्री विशाल कम्प्यूटर्स, बरकत नगर महेश नगर फाटक के पास, जयपुर, मो. 94613-43432
13. **ब्यावर**-श्री नरेन्द्र आर्य, मो. 8107944493
14. **दिल्ली**-श्री राधेश्याम घासोलिया, मो. 9818711580
15. **फुलेरा**-श्री सुरेश नागा, जगदम्बा प्रिंटिंग प्रेस, बस स्टेण्ड के पास
16. **सोडाला** -घनश्याम फोटो लेमिनेशन एण्ड फ्रेमिंग, 31, कुमावत कॉलोनी, मो.9352070394

Happy Diwali

DREAM HOUSE MAKERS

Er. Nikhil Bhadania

Ar. Akhil Bhadania

• Planning • Designing • Elevation • Interior • Estimation
• Supervision • Construction • Renovation • Consultancy

DREAMHOUSEMAKERS2021

Ar. Raj Singh

9414238799, 9782996440
9782649995, 9529438799
dreamhousemakers2021
dreamhousemakers22@gmail.com
454, Mishra Raja Ji Ka Rasta
Indira Bazar, Jaipur (Raj.) 302001

वैवाहिक

AAKANKSHA KUMAWAT

PERSONAL

DOB	: 22ND APRIL 1994
Place of Birth	: Jaipur
Time	: 3:46 PM Height: 5'0"
Qualification	: B.Tech in Computer Science from Jaipur Engineering College and Research Centre (JECRC), Jaipur (2016)
Occupation	: Application Development Senior Analyst and Team Leader Accenture, Jaipur

FAMILY

Grandfather	: Late Shri Suwalal Kumawat
Father	: Gopal Kumawat (M.Com) Private Building Contractor, Jaipur Mob: 98291-58241
Mother	: Manju Kumawat (B.Com) Housewife
Younger Brother	: Ar. Satyam Kumawat (B.Arch, MNIT Jaipur)

GOTRA

Self : Marothiya **Mother : G**hodela
Grandmother (Paternal): Kirodiwal
Grandmother (Maternal): Marwal

44-B, Shiv Colony, New Sanganer Road, Sodala, Jaipur

दीपावली की शुभकमानाएं

Squaroid Constructions

A complete unique construction Activity
Since 40 years
By Late Shri Suwa Lal Marothiya
(Thekedar Ji) Phulera Wale

Gopal Kumawat
9829158241
Sitaram Kumawat
9928314836

Ar. Satyam Kumawat
7737220731

Office :
51-A, Shiv Colony Ist, New Sanganer Road, Sodala, Jaipur-302019
Res.:
44-B, Shiv Colony Ist, New Sanganer Road, Sodala, Jaipur-302019
Email : gopalsquaroid@gmail.com | gopal.kumawat011968@gmail.com

चेतनजी कुमावत

जिलाध्यक्ष, भाजपा ओबीसी मोर्चा, जयपुर शहर

को

जन्मदिन की हार्दिक बधाई

एवं

आप सभी को

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

1 नवम्बर

शुभेच्छु

राजेश कुमावत

पार्षद, जयपुर नगर निगम (हैरिटेज)

एवं जयपुर शहर अध्यक्ष,

भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा रजि. उत्तरी-पूर्वी जोन

केवल महिलाओं के लिए

Hardik

beauty salon

21 सालों से कार्यरत

विशेषज्ञ : मेकअप, कराटिन, स्मूथनिंग, हेयर हाइलाइट्स, हेयर स्पा, बॉडी मसाज, थ्रेड, वैक्स , फेशियल और भी अन्य सेवाएं ब्रांडेड प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हुए इकोनॉमिक रेट्स पर उपलब्ध हैं।

संपर्क : 93515-76710

64, ग्रेटर कैलाश कॉलोनी, एपेक्स मॉल के पीछे, लालकोठी, टोंक रोड, जयपुर

श्रद्धांजलि

चतुर्थ पुण्य तिथि

19 अक्टूबर, 2022

हमारे पूजनीय स्वर्गीय

छितरमल कुमावत (कुद्दीवाल)

हम सभी परिवारजन अश्रुपूरित नेत्रों से श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।
आपकी सादगी, आदर्श एवं त्यागमय जीवन हमारे लिए सदैव प्रेरणा स्रोत बना रहेगा।

श्रद्धावनत

धर्मपत्नी : श्रीमती फूली देवी **पुत्री-दामाद :** श्रीमती कान्ता देवी-(पत्नी स्व. श्री अशोक कण्डेरीवाल), श्रीमती संतोष-उमाशंकर जी बालोदिया, भानू प्रिया-महेन्द्र जी मारवाल **पुत्र-पुत्रवधु :** गणेश नारायण-आशा देवी, नान्छीलाल-मंजू देवी, प्रकाशचन्द-संतोष, शंकरलाल-सुमित्रा, राकेश **पौत्र-पौत्रवधु :** सुरेन्द्र-मीनाक्षी, नरेन्द्र-मोनिका, विजेन्द्र-प्रिया, सोनू-शेफाली, मोनू, सुभाष, विशाल, रानू, शानू **प्रपौत्र-प्रपौत्री:** भव्य, तन्मय, अवी, भवी, अदिति, नव्या, समन्वी, वान्या एवं समस्त कुद्दीवाल परिवार।

प्रतिष्ठान **गणेश स्टोन कंपनी** ए-88, रघुनाथपुरी, बोरिंग चौराहा, कालवाड़ रोड, झोटवाड़ा, जयपुर-302012

प्लाट नं. 90-91, मार्ग नं. ए-7, कुमावत कॉलोनी, खातीपुरा रोड, जयपुर-302012
मो. 9352829619, 9887033126

श्रद्धांजलि

पंचम पुण्यतिथि

शत्-शत् नमन

स्व. श्रीमती मिन्टो देवी
बैकुण्ठधाम 22.09.2017

स्व. श्री वीरसेन जी मारोठिया
(म्यूजियम असिस्टेन्ट एवं आर्टिस्ट)
SMS मेडिकल कॉलेज, जयपुर
बैकुण्ठधाम 13.08.2017

"कर्म, वचन और व्यवहार से जो हर मन में जगह बनाते हैं,
दूर चले जाने के बाद भी वो सदा साथ रहते हैं।"

-: श्रद्धावनत :-

सुरेन्द्र-उषा देवी (पुत्र-पुत्रवधू), चन्द्रमोहन (सचिव, राजस्थान श्रमजीवी पत्रकार संघ) (पुत्र) श्रीमती तारा देवी-स्व. श्री संतोष घोडेला (बहन-बहनोई) स्व. श्री लालचन्द मारोठिया (चाचा) रामनारायण, गोपालन, देवकीनन्दन (भाई), हेमराज-छोटीलाल (भतीजे), तनिष्क, राहुल, रोहित, अंशुल, हर्षित, चिन्टू (पौत्र), दर्श (पड़-पौत्र), श्रीमती पूर्णिमा-श्रीरमेश व्याड़वाल, श्रीमती अन्नू-श्री कैलाश देवतवाल (पुत्री-दामाद), श्रीमती जया-श्री हेमन्त कुलचाण्या (दोहिती-दामाद) विजयन्त, यशवन्त, मोहित (दोहिते), कृतिका (दोहिती)

चुनरी पक्ष:- श्री सुमेरचन्द मण्डावरा-श्रीमती सीता देवी (भाई-भाभी), विनोद-चन्दा, तरूण-विनिता, अमित-ऋतु, हितेश-कंचन एवं समस्त मण्डावरा परिवार

श्रीमती दमयन्ती-स्व. श्री चन्दालाल जी बालोदिया (बहन-बहनोई), जितेश-हेमा, नीरज बालोदिया।

पता:- चाइल्ड बड्स स्कूल, शिल्प कॉलोनी, खातीपुरा रोड, झोटवाड़ा, जयपुर
मोबाइल:- 9314820385

भावपूर्ण श्रद्धांजलि

श्री भैंरू लाल कुमावत (लोढ्या)

निर्वाण तिथि 25.10.1972

(पूर्व सहायक निदेशक कृषि)

हमारी प्रेरणा के दिव्य स्रोत व सृजनकर्ता, अल्पायु में इस तरह ब्रह्म ज्योत में विलीन हो जाने से आपका साथ तो अधिक नहीं मिल पाया, परन्तु उस अल्प अवधि में आपसे मिली प्रेरणा ही हमारे जीवन को दिशा देने वाली दिव्य चेतना रही।

आज 50 वर्ष पूर्ण हो जाने के उपरान्त भी हर पल आपका स्नेह व संरक्षण का कोमल स्पर्श सदैव आपकी उपस्थिति का आभास कराता है और जीवन में नई ऊर्जा का संचार करता है। हमारी ईश्वर से यही प्रार्थना है कि हर जन्म में पिता के रूप में आपका संरक्षण व आशीर्वाद मिलता रहे। हम आपके श्री चरणों में सादर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत बजरंग लाल-विमला, सुदर्शन-बीना (पुत्र-पुत्रवधू), दुर्गा-पन्ना लाल (पुत्री-दामाद), राजीव-मीना, संजय-अनुभा, नरेन्द्र-रश्मी (पौत्र-पौत्रवधू), रेखा-सुभाष, मीनू-कल्याण सहाय, सीमा-मनमोहन, किरण-अशोक (पौत्री-पौत्री दामाद), राम (पौत्र), अन्वी, गुनगुन (पौत्री)

373, नेमी नगर विस्तार, वैशाली नगर, जयपुर-302021

भावपूर्ण श्रद्धांजलि

श्री भैंरू लाल कुमावत (लोढ्या)

निर्वाण तिथि 25.10.1972

(पूर्व सहायक निदेशक कृषि)

अपने अल्प जीवन काल में पिताजी के बाद उनके परिवार की सभी जिम्मेदारियों को पूर्ण करने वाले और मेरी भाग्य रेखा को चमकाने वाले मेरे सर्वाधिक सम्मानीय अग्रज को मैं और मेरा कृतज्ञ परिवार उनकी पचासवीं पुण्यतिथि के अवसर पर हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

सुवालाल कुमावत- पूर्व प्राचार्य रा. महाविद्यालय कोटा एवं श्रीमती सावित्री वर्मा **(पत्नी)**, शेफाली-दिनेश **(पुत्री-दामाद)**, शैलेश-कामिनी, शैलेन्द्र-आशा **(पुत्र-पुत्रवधू)**, तरंग, भव्य (पौत्री, पौत्र), दिशा, मानसी, भौतिक **(दोहितियाँ, दोहिता)**

2-छ-1, दादाबाड़ी विस्तार कोटा (राज.)-324009

दीपोत्सव के मांगलिक अवसर पर सभी
समाजजनों को **हार्दिक शुभकामनाएँ**

रामप्रकाश मारवाल

सम्पादक, 'कुमावत इंडिया' पत्रिका
मंत्री कुमावत क्षत्रिय विकास समिति,
बरकत नगर-टोंक फाटक, जयपुर

433 ए, सूर्य नगर, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर मो. 9414074376

चेतन कुमावत
जिला अध्यक्ष भाजपा ओबीसी मोर्चा, जयपुर शहर
को
जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ

शुभेच्छु :
पंकज सिरोहिया
जिलाध्यक्ष, राजस्थान क्षत्रिय कुमावत युवा
शक्ति समिति, जयपुर
प्रदेश मंत्री, विश्व सनातन सेना, राजस्थान
मो. 9828788990

TARKASHI
JEWELLERS
SINCE 1990 | JAIPUR

GOLD DIAMOND KUNDAN SILVER
10, J.DA. Shopping center, Bajaj Nagar, Jaipur
tarkashijewellers@gmail.com
Mahedra Singh
+91-9887419340
Prashant kumawat
+91-7737561581

दीपोत्सव पर्व की हार्दिक शुभकामनाएँ

CMT ARTS INDIA PVT LTD.

MANUFACTURER, EXPORTER, IMPORTER & WHOLESALER OF
All kind of : HANDICRAFT, GIFT AND SOUVENIR

Since 1976

Director
Mukesh Kumawat
93146-07695

Managing Director
C.M. Kumawat
98290-56063

Director
Lokesh Kumawat
97837-83123

Showroom :
"Sai-Villa", Plot No. 39, Mission Compound,
C-Scheme, Near Ajmer Puliya (Bridge)
Jaipur 302 001 (Raj.) Tel: +91-141-4041561

Residence :
F-31/A, Lal Bhadhur Nagar (W),
S.L. Marg, Main Road, Durgapura,
Tonk Road, Jaipur - 302018 (Raj.)

Email: cmtartsindia@gmail.com
Website : www.sandalwood.cn.com

Speciality :
1. Cedar Wood/ Kadamba wood with fine carving and half antique.
2. Sandalwood artifacts 3. Brass metal with turquoise work and Antique finish
4. Marble with painted & embossed art 5. Cultured marble 6. Soft stone 7. Miniature Art

स्व. विनोद बालोदिया
9829059312

चेतन बालोदिया
9414052736

सुनील बालोदिया
9928910068

रवि बालोदिया
9829436551

Raj Blocks

Since 1977
OFFSET PRINTERS

A COMPLETE PRINTING SOLUTION

Mob: 9829059312, 9829436551
E-mail : rajblocks@yahoo.com
B-81, Road No.4, Kartarpura Ind. Area, 22 Godown, Jaipur
Ph.: 0141-4022538 Mob: 9414052736 • 9928910068

• Books • Magazine • Brochures • Catalogue • Flex, Vinayle • Envelops • Letter Head
• Event Tickets • Certificates • Invitation Card • Menu Card • Poster • Calender
• Packazing Box • UV & Leaf with Special Effects

चेतनजी धुंधारिया

जिलाध्यक्ष, भाजपा ओबीसी मोर्चा, जयपुर शहर

को
जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

Shubh Laxmi Crane & Engineers

(Formally Know as Shri Laxmi Crane Service)

All India Equipments Rental Service Provider

Jai Kishan Kumawat
+91- 9829125428
+91- 9887011175

Shankar Lal Kumawat
+91- 9887227775

Mukesh Kumar Kumawat
+91- 9887337775

H.O.
Shree Heera Bhawan, Dholi Mandi
Chomu-303702 Distt. Jaipur (Rajasthan)

B.O.
Near Patwar Bhawan,Village - Kawas
Distt. Barmer - 344035 (Rajasthan)

shreelaxmicranes@gmail.com
shubhlaxmicrane@gmail.com

www : shrilaxmicrane.com

Graphic By : Art point # 9928064300

RNI - RAJHIN/2017/74285

प्रेषक: कुमावत इंडिया पत्रिका
एफ 31/ए, एम. एल. मार्ग,
लाल बहादुर नगर-प., दुर्गापुरा, जयपुर - 302018